जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत
कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, रविवार 7 अगस्त, 2022

www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2021/1523, RAJ/P/2021/1526

आलीशान 3 BHK कोठी सिर्फ 30 लाख में !

Kedia's
THE KOTHI
भव्य·उत्कृष्ट·श्रेष्ठ

Phase 1st: 35 Lakh | Phase 2nd: 30 Lakh

900 Sq. Ft. बिल्ट-अप एरिया

Sirsi Road, Vaishali Extension, Jaipur

FIXED PRICE

www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2022/1900

करोड़ो की 5 BHK कोठी अब 90 लाख में !

A Project By Kedia
THE KUNBA
बड़े परिवारों के लिए

2000 Sq. Ft. बिल्ट-अप एरिया

SHOPS 15 लाख

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

Near MPS, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur

KEDIA
Transforming Realty

Toll Free: 1800-120-23-23 | 7877-07-27-37
www.kedia.com | www.kediahomes.com | info@kediahomes.com

*T&C Apply

विचार बिन्दु

मूर्ति के समान मनुष्य का जीवन सभी ओर से सुन्दर होना चाहिए। –सुकरात

वन और मानव स्वास्थ्य

हरियाली, प्राकृतिक वातावरण, वनों और उपवनों में प्रकृति-अनुभव या दीर्घकालिक जुड़ाव का प्रसन्नता में योगदान पर पूर्व में यहाँ प्रमाण-आधारित ठोस विश्लेषण प्रस्तुत किया गया था। परन्तु क्या यह हरियाली में किया गया व्यायाम और योग तुलनात्मक रूप से बेहतर स्वास्थ्य भी प्रदान करता है? वर्ष 2021 में प्रकाशित शोध को समाहित हर आज की चर्चा पुनः इसी विषय पर है।

जैसा कि पूर्व में बताया गया था, संहिताओं में स्वास्थ्य-रक्षण और रोगोपचार दोनों के लिये ऐसे अनेक सन्दर्भ हैं (देखें, च.चि.3.260-266; च.चि.2/3, 26-30, च.चि.4.106-109; च.वि.6.17, सु.उ.47.55-57 आदि)। उक्त सभी सन्दर्भ केवल उदाहरणार्थ और प्राचीनता दर्शित करने के उद्देश्य से उद्धृत किये गये हैं। समकालीन शोध में पिछले कई दशकों से विभिन्न विषयों के विद्वानों ने अपनी विधा के अनुसार इस बात की ओर ध्यान खींचा है कि प्रकृति से जुड़ने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के बीच सकारात्मक संबंध है। यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

जहाँ तक हरियाली का शारीरिक और मनोरोगों को रोकने में योगदान है उस पर बहुत शोध है और उसका सम्पूर्ण विश्लेषण यहाँ देना संभव नहीं है। इस विषय में एक बेहद उपयोगी पुस्तक द एक्सपीरियंस ऑफ़ नेचर- अ साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव वर्ष 1989 में प्रकाशित हुई थी। राचेल कपलान और स्टेफेन कपलान की यह पुस्तक इस विषय में विश्व की सर्वाधिक संदर्भित पुस्तक है जिसे लगभग 8000 प्रकाशनों में संदर्भित किया गया है। प्राकृतिक वातावरण, लोगों और उनके बीच के संबंधों काएक प्रमाण-आधारित लेखा-जोखा इस पुस्तक में है। लेखकों ने यह समझने की कोशिश की है कि लोग प्रकृति का अनुभव कैसे करते हैं और वे किस प्रकार के प्राकृतिक वातावरण पसंद करते हैं, वे जंगल के अनुभवों से क्या मनोवैज्ञानिक लाभ उठाते हैं, और हमारे आसपास के उद्यान लोगों के लिये क्यों महत्वपूर्ण हैं।

आयुर्वेद का लोक-पुरुष-साम्य सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि मानव और संसार एक समान हैं (च.शा.5.3: पुरुषोऽयं लोकसम्मितः) इस सिद्धांत के प्रकाश में देखने पर लोक या पृथ्वी के वातावरण का सीधा सीधा प्रभाव मानव के स्वास्थ्य पर पड़ता है क्योंकि लोक और पुरुष में समानता (च.शा.5.3: लोकपुरुषयोः सामान्यम्) होने से सामान्य-विशेष का सिद्धांत कार्य करता है। अर्थात सामान भावों को सामान भावों से मिलाने पर उस भाव की वृद्धि और असमान भावों को मिलाने पर ह्रास होता है। सत्य बुद्धि तभी प्रकट होती है या अकल तभी आती है जब स्वयं के अंदर प्रकृति को व प्रकृति के अंदर स्वयं को देखा जाये (च.शा.5.7): सर्वलोकमात्मन्यात्मानं च सर्वलोके सममनुपश्यतः सत्या बुद्धिः समुत्पद्यते। यहाँ पर लोक से तात्पर्य पूरी दुनिया के वातावरण से है जिसमें छः धातुयें पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश तथा आत्मा शामिल हैं (च.शा.5.7): षड्धातुसमुदायो हि सामान्यतः सर्वलोकः। इस सूची में आत्मा का शामिल होना आश्चर्यजनक नहीं मानना चाहिये क्योंकि पौधे, प्राणी और सम्पूर्ण जीवन भी लोक में शामिल है।

यहाँ यह बताना आवश्यक है कि ऐसा नहीं है कि प्रकृति के सभी आयाम स्वास्थ्यवर्धक और सुरक्षित ही हों। कई प्राकृतिक स्थल मानव में अकेले डर पैदा कर सकते हैं। जो हवा, पानी और मिट्टी स्वास्थ्य के लिये सर्वथा उपयुक्त होती है, वही प्रदूषित होने या प्राकृतिक आपदाओं के स्वरुप में आने पर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकती हैं। प्राकृतिक वातावरण के जो प्राणी बहुत सुन्दर लगते हैं उनमें से बहुत हिंसक भी हो सकते हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुये प्रकृति-अनुभव अपने अन्य रूपों में हमारे स्वास्थ्य की स्थिति को निर्धारित करते हैं। इस दृष्टिकोण से प्रकृति और पर्यावरण को निहारना, प्राकृतिक वातावरण में घूमना-फिरना स्वास्थ्यकर होता है।

प्रकृति-अनुभव किन कारणों से हमारे स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है? या अन्य शब्दों में कहें तो प्रकृति से जुड़ाव के स्वास्थ्यकर होने की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन क्या है? अनेक अध्ययनों के प्रमाण स्पष्ट करते हैं कि प्रकृति का मानव शरीर और मन पर स्वास्थ्यकर प्रभाव स्वास्थ्य के विविध आयामों को बेहतर करने में प्राकृतिक वातावरणों की भूमिका के कारण होता है। उदाहरण के लिये प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य में सुधार की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन को मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद में कमी, मन की प्रसन्नता में बढ़ोत्तरी, अच्छी निद्रा, मनोहारी अनुभूति, दर्द-नियंत्रण, बेहतर सामाजिक संपर्क, व्यायाम में बढ़ोत्तरी, हृदय रोगों में कमी, प्रतिरक्षा तंत्र में सुधार आदि के प्रकाश में देखा जा सकता है।

यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

शहरों में हरियाली से स्वास्थ्य लाभ के बारे में वर्ष 1800 के बाद से कई छिटपुट अध्ययन मिलते हैं और शहरी विकास में इन्हें शामिल करने के प्रयास भी दुनिया भर में हुये है। इन सब अध्ययनों में एक सन्देश मिल रहा था कि हरियाली को अनुभूत करना या हरियाली का एक्सपोज़र स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है, परन्तु व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस अब आना शुरू हुये हैं। हाल ही में हरियाली से मिलाने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। जैसे जैसे हरियाली के साथ जुड़ाव बढ़ा वैसे वैसे लार के कोर्टिसोल, हृदय गति, व डायस्टोलिक रक्तचाप में कमी पायी गयी। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल व हृदय गति की परिवर्तनशीलता में बेहतरी हुई। समय-पूर्व प्रसव-जोखिम, मधुमेह, तथा समस्त-कारण मृत्यु दर (आल-कॉज मोर्टेलिटी) और हृदय रोग मृत्यु दर में भी कमी पाई गयी। स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, डिस्लिपीडेमिया, अस्थमा, और कोरोनरी हृदय रोग की घटनाओं में भी कमी होती गयी। अलग अलग अध्ययनों को देखने पर यह भी स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य परिणामों में 66.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक बेहतरी हुई है। इनमें न्यूरोलॉजिकल, कैंसर, व श्वसन रोगों से मृत्यु दर में कमी भी पाई गयी (देखें, सी. टोहिग-बेनेट, ए. जोन्स, एनवायर्नमेंटल रिसर्च, 166: 628-637, 2018)।

इस विषय में सबसे भारी अध्ययन जिसका वित्त-पोषण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किया गया था, वह वर्ष 2019 में दुनिया के एक अगुआ जर्नल में प्रकाशित हुई। हरियाली को स्वास्थ्य-निर्धारक, स्वास्थ्य में सुधार, और विभिन्न प्रसन्नता के लिये उपयोगी माना जाता रहा है। इस व्यवस्थित अध्ययन में विश्व भर के अनुदैर्ध्य अध्ययनों से प्राप्त प्रमाणों की इस बात के लिये समीक्षा की गयी कि हरियाली, पार्क्स, गार्डन्स आदि की उपलब्धता का सकल मृत्यु दर में प्रभाव क्या है। इस मेटा-एनालिसिस में प्रारम्भ में 9298 अध्ययन और 13 अन्य अध्ययनों की पहचान की गयी। इनमें से 9234 (99 प्रतिशत) अध्ययनों को शीर्षक और सारांश जांचने के बाद अपग करते हुये शेष 77 अध्ययनों में से 68 (88 प्रतिशत) को सम्मिलित किया गया। उक्त के साथ ही मात्रात्मक मूल्यांकन हेतु नौ (12 प्रतिशत) अध्ययनों को शामिल किया। इनमें सात देशों के 8.32 लाख व्यक्ति शामिल थे। कुल मिलाकर निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि आसपास की हरियाली और सकल-कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे-जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे-वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहां हरियाली बढ़ाने और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है (देखें, डी. रोजस रुएडा आदि, द लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ, 3,11:ई469-ई477,2019)।

एक अन्य महत्वपूर्ण मेटा-एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर जांच की गयी कि गर्भावस्था में प्रतिकूल परिणामों पर आवासीय हरियाली का क्या प्रभाव रहता है। इसमें कुल 36 अध्ययन शामिल थे और कुल मिलाकर1.19 करोड़(11.9 मिलियन) प्रतिभागी थे। परिणाम स्पष्ट करते हैं कि हरियाली वाले स्थलों में जन्म के समय न्यूनतम वजन का जोखिम उच्च स्तर की हरियाली वाले समूह में काफी कम था। गर्भावधि उम्र कम रहने की संभावना भी उच्च हरियाली वाले क्षेत्रों में घटी पायी गयी। इसके अलावा अधिक हरियाली वाले क्षेत्रों में मातृ-जोखिम कम पाया गया और मानसिक विकारों में भी कमी पायी गयी। यह समीक्षा आवासीय हरियाली और गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों के बीच एक उलटे रिश्ता होने की पुष्टि करती है। अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट कर देते हैं कि हरियाली गर्भवती महिलाओं के लिये जोखिम घटाती है (वाइ. झान आदि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 718: आर्ट. 137420, 2020)।

हमारा समाज आज शहरीकरण, संसाधन-विदोहन और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्रकृति-उन्मुखता से प्रकृति-विमुखता की ओर जा रहा है। इंसान और प्राकृतिक पर्यावरण के आपसी संपर्क की संभावनायें बहुत कम होती जा रहें हैं। संहिताओं, शोध और अनुभव की त्रिवेणी से उत्पन्न ज्ञान इस बात के पुख्ता प्रमाण दर्शित करता है कि प्रकृति-अनुभव मानव स्वास्थ्य के लिये अनिवार्य है। यह रिश्ता क्यों है, इस पर हुई शोध स्पष्ट करती है कि प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य-लाभ के मूल में वायु गुणवत्ता, शारीरिक गतिविधि और व्यायाम, सामाजिक सामंजस्य और तनाव में कमी आदि कारक हैं।

इस तमाम चर्चा का मूल संदेश यह है कि पर्यावरण के साथ हमारे संबंध हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। प्रकृति-अनुभव अनेक रूपों में हो सकता है। हमारे आसपास हरियाली को बढ़ावा देना, वनों उपवनों में घूमना, प्राकृतिक स्थलों में सैर-सपाटा, प्रतिदिन समीपवर्ती बाग-बगीचों में जाकर कम से कम दो घंटे का समय बिताना, कार्य-स्थलों में हरियाली बढाने के लिये छोटे-छोटे गार्डन या बगीची विकसित करना, बैठने के स्थान में खिड़की से दिखने वाला हरा-भरा दृश्य, कार्यालय में पांच मिनट का ब्रेक लेकर हरियाली में टहल कर आना आदिसब छोटे-छोटे ऐसे कार्य हैं, जिनके माध्यम से हमारा प्रकृति के साथ जुड़ाव बना रहता है। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह याद रखने योग्य है कि चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अतः व्यायाम और योग हरे-भरे स्थल, बाग-बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भी प्रकृति-अनुभव कराइये। हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है। जीवन के प्रारम्भिक काल में प्रकृति से जुड़ाव मानव और प्रकृति के मध्य आजीवन सार्थक रिश्ता बनाने हेतु आवश्यक है। प्रकृति के साथ जुडे रहिये। योग और व्यायाम कीजिये। आनंदित रहिये। स्वस्थ रहिये।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

75 साल बाद भी दर-दर की ठोकरें खा रहे नारायणपुर के गाड़िया लुहार

- नारायणपुर और आस-पास में गाडियां लुहारों के लगभग 50 परिवार तंबुओं में जीवन जी रहे हैं।
- सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा

नारायणपुर, (निसं)। हल्दी घाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप के साथ अपना घर बार छोड़ने वाले गाडिया लुहारों की हालत 500 साल बाद भी बदतर बनी हुई है। आज भी इन परिवारों के पास रहने को घर नहीं है और न ही कमाने खाने के लिए रोजगार का कोई साधन। देश को आजादी मिले भी 75 साल हो गए लेकिन आज तक किसी सरकार ने इन गाड़िया लुहारों की सुध नहीं ली है।

आजीविका के लिए तम्बू लगाकर संघर्ष कर रहें गाड़िया लुहार परिवार।

राज्य सरकार द्वारा गाड़िया लुहारों सहित अन्य घुमन्तु जातियों को एक स्थान पर स्थायी रूप से बसाने एवं इनको समाज की मुख्यधारा से जोडने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की गई थी। जैसे समस्त घुमन्तु जातियों को बिना किसी सर्वे के बीपीएल की श्रेणी में मानना। स्थायी आवास के लिए निःशुल्क भूमि का आवंटन किया जाना तथा महाराणा प्रताप आवास योजना के अंतर्गत आवंटित भूमि पर पक्के मकान बनाने के लिए अनुदान राशि स्वीकृत करना लेकिन संबंधित विभागों की उदासीनता के चलते घुमन्तु जातियों के कल्याण के लिए अनेकों योजनाओं के होने के बावजूद घुमन्तु जाति के परिवारों को इन योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। गाड़िया लुहार इन्द्रा देवी ने बताया कि नारायणपुर और आस-पास में गाडियां लुहारों के लगभग 50 परिवार अस्थाई रूप से रहते हैं। जमीन के अभाव में ये लोग तंबुओं में कष्ट भरा जीवन जी रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी की बात है रोटी की चिंता यानी कमाने की। आधुनिकता के चलते इनके बनाये औजार अब मशीनों से मुकाबला कर पाने में नाकाम हैं। जिसके कारण लुहारों के सामने परिवार पालने भर की कमाई नहीं हो पाती है। ज्यादतर परिवार सरकार की योजनाओं से बेखबर हैं। इस कारण वह सरकारी योजनाओं का लाभ ही नहीं उठा पाते। यह कहानी केवल नारायणपुर के आस-पास की ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के घुमन्तु गाडिया लुहारों की है। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन की यह जिम्मेदारी नहीं कि वो इनको योजनाओं की जानकारी दे और इनके पुनर्वास में सहयोग करे।

तिरंगा लेकर निकले 2हजार स्कूली बच्चे

अलवर के एक निजी स्कूल के बच्चों ने तिरंगा रैली निकाली ।

अलवर, (निसं)। आजादी के 75वें वर्ष को अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। शनिवार को अलवर शहर में ओसवाल जैन सीनयर सैकेंडरी स्कूल के करीब 2 हजार बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर शहर की सड़कों पर निलके। बच्चे एक सुर में वंदेमातरम और देश के शहीदों के जयकारे लगाते गए। नेहरू गार्डन में चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा तक पहुंचे। वहां चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प बरसाए।

स्कूल के प्रिंसिपल विनोद शर्मा ने बताया कि इस रैली में करीब 2 हजार बच्चों ने भाग लिया। सरकार

- चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर बरसाए फूल

ने डाक विभाग के जरिए आमजन को तिरंगा उपलब्ध कराने का इंतजाम किया है। वहां से केवल 25 रुपए में तिरंगा ले जा सकते हैं। इस बार 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराने का अभियान है। अभी इसे अमृत महोत्सव की तैयारी हर तरफ नजर आने लगी हैं। डाक विभाग से अब तक 6 हजार से अधिक तिरंगा लोग लेकर जा चुके हैं।

28वां शान्ति वृक्ष मेहरानगढ़ में रोपा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के ऐतिहासिक मेहरानगढ दुर्ग में 28वां 'ट्री ऑफ पीस' (शान्ति वृक्ष) रोपण पूर्व शासक गज सिंह, हेमलता राज्ये, स्लोवक एम्बेसडर रोबर्ट मॅक्सिएन, जाना मॅक्सिएनोवा, अचलानन्द गिरी महाराज, डॉ मारेक सोबोला ने किया। इसी के साथ भारत 17वां देश इस सूची में शामिल हो गया है जहीं यह वृक्षारोपण किया गया।

पूर्व शासक गज सिंह, हेमलता राज्ये सहित कई विदेशी मेहमानों ने पौधा रोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि यह पहल स्लोवक गणतंत्र के एन जी ओ सरवरे एट मनेरे ने शुरू की ताकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शान्ति, सदभावना एवं प्रकृति संरक्षण का सन्देश पहुंचे। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत 2018 में हुई तथा अभी तक 16 देशों में 27 शान्ति वृक्ष रोपण किये जा चुके हैं। यह प्रोजेक्ट विदेश

- भारत बना 17वां देश जहां यह वृक्षारोपण किया गया

मंत्रालय, स्लोवक गणतंत्र सरकार के सहयोग से आयोजित किया। जैसे-जैसे यह पहल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रही है वैसे ही इसका उद्देश्य भी बढ़ता जा रहा है। आपसी शान्ति, सदभावना के साथ ही इस पहल का उद्देश्य ऐतिहासिक स्मृति तथा प्रकृति को संरक्षित करना है।

वृक्षारोपण के साथ ही मेहरानगढ़ दुर्ग में बारिश शुरू हो गई। मारवाड़ में पौधारोपण करते हुए बारिश का शुरू होना एक शुभ संकेत माना जाता है। स्लोवक दूत रोबर्ट मॅक्सिएन एवं डॉ मारेक सोबोला ने पूर्व शासक गज सिंह को 'मेमोरियल मैडल ऑफ ट्री ऑफ पीस' से सम्मानित किया। यह उनके ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। इस मौके पर प्रसन्नपुरी गोस्वामी, रामजी व्यास, मेजर जनरल शेर सिंह, अरुण अग्रवाल, शैलेश माथुर, डॉ महेंद्र सिंह तंवर, घर्माशु बोहरा आदि उपस्थित थे।

डिग्गीपुरी लक्खी मेला परवान पर

मालपुरा/डिग्गी, (निसं)। डिग्गीपुरी लक्खी मेले में पिछले तीन दिनों से यात्रियों के आने का क्रम अनवरत जारी है, वहीं एकादशी ग्यारस तक लगातार यूं ही चलता रहेगा। रोज दर्जनों यात्राओं में लोग श्रीजी महाराज के पहुंचकर खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

तीन अगस्त को जयपुर ताडकेश्वर मंदिर से रवाना हुई पदयात्रा का ध्वज 7 अगस्त को सांय काल 5 बजे रोडवेज बस स्टैंण्ड से रवाना होगा जो सांयकाल आरती के समय 7 बजे डिग्गी मंदिर में चढाया जाएगा। वही जयपुर से आए हुए पदयात्रियों का सिलसिला चार तारीख से ही शुरू हो जाता है जो सात तारीख तक लगाजार चलता रहजा है। श्रद्धालु सुबह तीन बजे से ही अपने आराध्य देव के दर्शन पाने के लिए कतारों में लग जाते हैं। वहीं धार्मिक नगरी डिग्गीपुरी श्री जी महाराज के जयकारों से गुंजायमान रहा।

प्रशासन अपनी तैयारियां में श्रद्धालुओं की संख्या कोरोना काल खत्म होने के बाद पहली बार लग रहे मेले को लेकर दुगनी समझ रहा था। वहीं इस बार

डिग्गीपुरी लक्खी मेले में पिछले तीन दिनों से यात्रियों के आने का क्रम अनवरत जारी है।

श्रद्धालुओं की संख्या लगभग आधी ही नजर आई। जिला कलेक्टर चिन्मय गोपाल के निदेशों पर एडीएम प्रभाती लाल जाट मेले की व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। वही मालपुरा उपखंड अधिकारी रामकुमार वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार बैरवा, पुलिस उपाधीक्षक सुशी मान, नायब तहसीलदार चंद्रेशकर टांक, डिग्गी थानाधिकारी सत्यनारायण चोधरी मेले की लगातार मॉनिटिरिंग भी कर जायजा लेते रहे। ग्राम पंचायत की सरंपच हलिमा बानो, सरपंच प्रतिनिधि हकिम भाई, ग्राम विकास अधिकारी सूरेश चौधरी सहित ग्राम पंचायत प्रशासन भी मेले की व्यवस्थाओं को लेकर कंट्रोल रूम में जुटा हुआ है। मेले का समापन सात अगस्त को होगा। वही श्योपुर, सवाई माधोपुर, देवली सहित अन्य पदयात्राएं एकादशी को श्री जी महाराज के दर्शन करेगी। शनिवार को बस्सी गोंविदपुरा, मीनावाला, खेजडिया का रास्ता झोटवाडा सहित अन्य कहीं जगह से आई पदयात्रा डिग्गी श्री जी महाराज के दर्शन किए। टोंक आगर प्रबंधक डॉ एनके मीणा ने बताया कि टोंक डिपो के द्वारा लगाई गई बसों से जहां 2019 में 22 लाख के करीब आय हुई थी। वहीं इस बार पांच लाख के करीब आय हो चुकी है। वहीं जयपुर वैशाली नगर डिपो के चीप मैनेजर अनिल पारीक ने बताया कि 2019 के मुकाबले इस बार रोडवेज की इतनी आय नहीं हुई है। परन्तु अभी तक दो दिन बाकि है।

राशिफल रविवार 7 अगस्त, 2022

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, अनुराधा नक्षत्र सांय 4:30 तक, ब्रह्म योग दिन 10:02 तक, तैतिल करण दिन 1:01 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मेष, बुध-सिंह, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज फ्रेंडशिप डे है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:37 से 9:15 तक, लाभ-अमृत 9:15 से 12:33 तक, शुभ 2:11 से 3:47 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 7:07

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। घर-परिवार के कार्यों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। भागदौड़ रहेगी। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धन प्राप्त हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मिथुन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ
अपने महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यक्तिगत खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य योजनानुसार सम्पन्न हो सकते हैं। मनःस्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मीन
मनःस्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त हो सकते हैं। दिनचर्या व्यवस्थित होने लगेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 47 संख्याः 295 प्रभात कोटा, रविवार 7 अगस्त, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

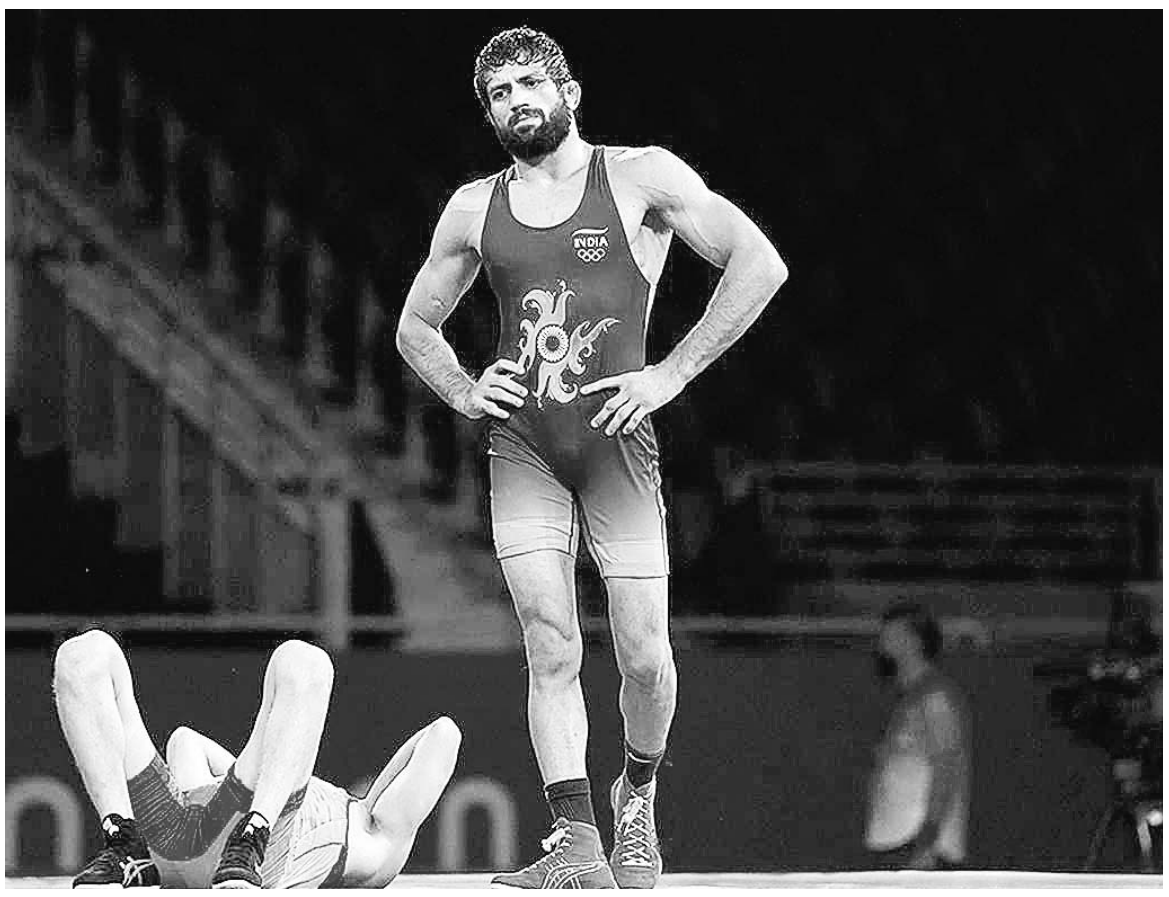

टोक्यो ओलंपिक के सिल्वर मैंडलिस्ट रवि दहिया ने कॉमनवैल्थ गेम्स में भी भारत का गौरव बढ़ाया है। रवि दहिया ने कुश्ती के पुरुष 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। रवि ने 57 किग्रा फाइनल में नाइजीरिया के वेल्सन एबीकेवेनिमो को तकनीकी श्रेष्ठता से हराकर स्वर्ण पदक जीता। कॉमनवैल्थ गेम्स में तीन बार के पदक विजेता वेल्सन मुकाबले की शुरुआत में रवि को पॉइंट स्कोर करने का कोई मौका नहीं दे रहे थे, लेकिन रवि ने अंततः उनके पैंरों को जकड़कर पॉइन्ट्स की झड़ी लगा दी और कॉमनवैल्थ गेम्स में अपना पहला स्वर्ण हासिल किया। इसके अलावा पहलवान पूजा गहलोत ने 50 किग्रा के कांस्य पदक के लिए खेले गये मैंच में स्कॉटलैण्ड की क्रिस्टेल लेमोफेक को मात दी।

जगदीप धनखड़ भारत के उपराष्ट्रपति निर्वाचित

धनखड़ को 528 वोट मिले, इतने वोट तो उपराष्ट्रपति के चुनाव में कृष्ण कांत, भैरोंसिंह शेखावत, हामिद अंसारी, वेंकैया नायडू को भी नहीं मिले थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। भारत ने अपना नया उपराष्ट्रपति चुन लिया है। वह है राजस्थान के झुंझुनूं के मूल निवासी जगदीप धनखड़।

जगदीप धनखड़ को एन.डी.ए. प्रत्याशी के रूप में 528 वोट मिले, जबकि विपक्ष की मारग्रेट अल्वा के खाते में 182 वोट गए।

इस चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण बात पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का वोटिंग में भाग ना लेने का निर्णय था। यह आश्चर्यजनक था क्योंकि जब धनखड़ पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे तब वह ममता के सभी कार्यों राजनीतिक निर्णयों में हस्तक्षेप किया करते थे और मुख्यमंत्री ने उनसे पीछा छुड़ाने के भरसक प्रयास किये थे।

और अन्ततः जब उन्हें वहां से हटाकर उपराष्ट्रपति पद के लिए मोदी की पसंद के रूप में चयनित किया गया, तब भी ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) ने उनके खिलाफ वोट नहीं किया। वास्तव में उनकी पार्टी ने एक भी वोट नहीं डाला। इससे इन अटकलों को बल मिला है कि उन्होंने मोदी के साथ कोई सौदेबाजी कर ली है। ममता के 34 सांसदों ने वोट नहीं डाला।

धनखड़ राजस्थान विधानसभा में विधायक रहे और फिर केन्द्र की चन्द्रशेखर सरकार में मंत्री रहे। वह एक बार लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं।

राज्यसभा में उनका प्रवेश पहली बार होगा क्योंकि वह कभी इसके सदस्य नहीं रहे।

चुनाव के पीठासीन अधिकारी उत्पल सिंह द्वारा उनकी जीत की घोषणा कर उन्हें सर्टिफिकेट देने के बाद उम्मीद है कि प्रधानमंत्री उनसे भेंट कर उन्हें जीत की बधाई देंगे।

अब लोकसभा और राज्यसभा दोनों के संचालन प्रमुख राजस्थान से हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **उपराष्ट्रपति चुनाव का एक रहस्यमय पहलू रहा ममता बनर्जी की भूमिका। हालांकि, उन्होंने धनखड़ को प. बंगाल के राज्यपाल के पद से हटाने के लिए ऐड़ी से चोटी तक का जोर लगा लिया, राज्यपाल के रूप में धनखड़ की भूमिका से तंग होकर, पर अंत में धनखड़ का जाना तय हो गया तो उन्होंने धनखड़ के खिलाफ वोट नहीं किये।**
- **उनके इस निर्णय को प्र.मंत्री मोदी के नज़दीक जाने का संकेत माना गया।**
- **धनखड़ की राजनीतिक यात्रा काफी रोचक रही है। पहले वे जनता दल में थे, फिर कांग्रेस से जुड़े और अन्ततोगत्वा भाजपा से नाता जोड़ा व प. बंगाल के राज्यपाल नियुक्त हुए।**

केन्द्रीय सरकार व तमिलनाडू लेई-देई में फंसे जी.एस.टी. के मसले पर

निर्मला सीतारमन ने भाजपा की केन्द्रीय सरकार की ओर से मोर्चा संभाला, तमिलनाडू के वित्त मंत्री पी.टी.आर. ने पलट वार किये

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। अर्थशास्त्र या कहें कि अर्थव्यवस्था की सार-सँभाल तथा इश्यू वेलफेयर अर्थशास्त्र तमिलनाडु को केन्द्र के साथ सीधे टकराव की स्थिति में ले आया है।

संसद में महँगाई पर हुई बहस के दौरान, डी.एम.के. सदस्य कनिमोई की ओर से की गई आम आदमी के उपयोग में आने वाली जरूरी चीजों पर जी.एस.टी. लगाये जाने की आलोचना तथा तमिलनाडु के वित्त मंत्री द्वारा दिये गये पेट्रोलियम उत्पादों पर सैन्ट्रल एक्साइज में कटौती के सुझाव के दंशों से पीड़ित केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिल भाषा में जवाब दिया, उन्होने इसे राज्य का पाखंड बताया क्योंकि वह जी.एस.टी. पर हुए निर्णयों में शामिल है पर बाहर आकर इसकी आलोचना कर रहा है। केन्द्र द्वारा की गई एक्साइज कटौती की याद दिलाते हुए, सीतारमण ने पूछा कि आम आदमी को राहत देने के लिये तमिलनाडु वी.ए.टी. (वैट) में कमी क्यों नहीं कर सका। उन्होंने चुनावी वादों को पूरा नहीं करने के लिये तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी की कटु आलोचना की। उसके बाद, तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ हमलों की भी शुरुआत कर दी।

भाजपा नेताओं का कहना है कि जहाँ केन्द्र ने पेट्रोल तथा डीज़ल की एक्साइज ड्यूटी में क्रमशः 14.50 रू. तथा 17 रू. की बड़ी कटौती कर दी है, वहीं राज्य सरकार ने वैट में मात्र 3 प्रतिशत कटौती की है तथा केन्द्र को जन-कल्याण पर भाषण दे रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **निर्मला सीतारमन ने पहला वार किया, यह कह कर कि, तमिलनाडू, जी.एस.टी. की बैठक में तो सभी प्रस्तावों पर सहमति जताता है, पर बैठक से बाहर आकर उन निर्णयों की कड़ी आलोचना करता है।**
- **तमिलनाडू के वित्त मंत्री पी.टी.आर. ने प्रत्युत्तर में कहा कि, जिस तरह का ''वोटिंग सिस्टम'' है जी.एस.टी. काउन्सिल में, उसमें 30 प्रतिशत वोटिंग राइट्स केन्द्रीय सरकार के पास रहते हैं, बाकी सभी राज्यों में बांटे जाते हैं, राज्य सरकार की आवाज में कुछ दम नहीं होता।**
- **पी.टी.आर. ने यह भी कहा कि, निर्मला सीतारमन, तमिलनाडू पर ताना मारती हैं कि, राज्य सरकार पैट्रोल व पैट्रोलियम उत्पादों पर टैक्स घटाने को तैयार नहीं, आम आदमी को रिलीफ देने के लिये। पर, वे (निर्मला सीतारमन) भूल जाती हैं कि, केन्द्रीय सरकार ने गत सात साल से पैट्रोल, डीज़ल पर टैक्स में कई बार बढ़ोतरी की है, जबकि तमिलनाडू सरकार ने एक बार भी टैक्स नहीं बढ़ाया।**
- **पी.टी.आर. ने यह भी कहा कि, जब से जी.एस.टी. व्यवस्था लागू हुई है, राज्य सरकारों के पास आमदनी का कोई और स्रोत नहीं रह गया है, अतः वे पैट्रोल पर टैक्स कम करके, अपने आर्थिक साधन कितना घटा दें।**

रिलायंस बनाम सेबी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अपने एक फैसले में सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड (एस.ई.बी.आई.) ऑफ इंडिया की खिंचाई की क्योंकि उसने न्यायमूर्ति (सेनि) बी. एन. श्रीकृष्ण की राय के कुछ अंशों की ''चैरी-पिंकिंग की थी, जबकि उस सूचना को प्रकट करने के लिये इनकार कर दिया गया था, जो रिलायंस इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (आर.आई.एल.) को दोष मुक्त किये जाने से सम्बन्धित थी।

यह केस उस याचिका से सम्बन्धित है, जो सुप्रसिद्ध चार्टर्ड अकान्टेंट एस.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2002 में एस. गुरूमूर्ति की शिकायत पर दर्ज केस में रिलायंस के पक्ष में फैसला सुनाया और सेबी को कड़ी फटकार लगाई व कहा कि, रिलायंस को जस्टिस बी.एन. कृष्णा की राय के सभी दस्तावेज उपलब्ध करवाए।**

पूर्व मु.मंत्री पलानीस्वामी ने डी. एम. के. की पूर्ण बागडोर संभाली

पर पलानीस्वामी व पनीरसेल्वम की, पार्टी पर एकाधिकार की लड़ाई ने भाजपा का रास्ता साफ किया, तमिलनाडू में प्रवेश करने का

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। तमिलनाडू की मुख्य विपक्षी पार्टी ए.आई.ए.डी.एम.के. अर्थात अन्नाद्रमुक जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री एडापड्डी पलानिस्वामी ने कब्जा कर लिया है, की आपसी लड़ाई ने सत्तारूढ़ डी.एम.के. को एक तरह से खुली छूट दे दी है।

विपक्षी ए.आई.ए.डी.एम.के. के सबसे बड़े दो नेताओं एवं पूर्व मुख्यमंत्रियों पलानिस्वामी और ओ. पनीर सेल्वम (ओ.पी.एस.) के बीच एक-दूसरे को खत्म करने की लड़ाई का खात्मा पलानिस्वामी के पार्टी पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने और अपने शत्रु को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से हटाने के साथ हुआ।

पार्टी से निष्कासन होने के बाद ओ.पी.एस. पार्टी का पूर्ण नियंत्रण पलानिस्वामी को सौंपने वाली पार्टी की कार्यवाहियों को रद्द करवाने के लिए एक के बाद एक कोर्ट का दरवाजा खटखटाते रहे हैं। उनका अंतिम विधिक कदम गुरूवार को सुप्रीम कोर्ट की शरण लेना था, जिसमें उन्होंने मद्रास हाई कोर्ट के उस निर्णय को पलटने की मांग की जिसके तहत ए.आई.ए.डी.एम.के. मुख्यालय का स्वामित्व पलानिस्वामी को दे दिया गया था। वास्तव में मद्रास हाई कोर्ट ने अपने एक अलग आदेश में ए.आई.ए.डी.एम.के. की जनरल काउन्सिल की एक मीटिंग करने की भी अनुमति प्रदान की थी जिसमें ओ.पी.एस. को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अन्ततः निष्कासित कर दिया गया और ई.पी.एस. को ए.आई.ए.डी.एम.के. अंतरिम महासचिव चुन कर उन्हें पार्टी का पूर्ण नियंत्रण सौंप दिया गया था।

पार्टी के समन्वयक एवं अपने विरोधी ओ.पी.एस. को पार्टी से बाहर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **भाजपा के इस प्रयास को मजबूती मिल रही है, नये प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई की सक्रियता से।**
- **अन्नामलाई, कर्नाटक कैडर के आई.पी.एस. अफसर हैं तथा तमिलनाडू में आम जनता को छूने वाले मामलों को पुरज़ोर ढंग से उठा रहे हैं।**
- **केन्द्र में भी भाजपा की ही सरकार है, इससे अन्नामलाई का काम कुछ आसान हो जाता है, छोटी-छोटी पार्टियों का डी.एम.डी.के. से गठबंधन कराने में।**
- **जैसा कि विदित ही है, गत लोकसभा चुनाव में तमिलनाडू की 39 सीटों में से एक को छोड़कर सभी सीटों पर डी.एम.के. ने जीत हासिल की थी। अब अगर भाजपा छोटी-छोटी पार्टियों से गठबंधन कर, एक सशक्त विकल्प प्रस्तुत करती है डी.एम.के. का, तो वाकई में अन्नामलाई की भारी सफलता मानी जायेगी।**

पानी निकासी

सुजानगढ़ , 6 अगस्त (निसं)। गैनाणी से ताल की ओर पानी निकासी के लिए डाली गई पाईप लाईन के बार-बार लीकेज की समस्या को दूर करने के लिए नगरपरिषद द्वारा शीघ्र ही नई पाईप लाईन डाली जायेगी। नगरपरिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा ने बताया कि गैनाणी से ताल में पानी छोड़ने के लिए 45 साल पहले, वर्ष1977 में पाईप लाईन डाली गई थी, जो बार बार लीक हो रही थी, और इससे कभी भी भारी समस्या आ सकती थी। प्रशासन आपदा के तहत 70 से 75 लाख रु. तक एस्टीमेट बनाकर टेंडर निकाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **45 साल पहले पानी निकासी के लिए डाली गई पाइप लाईन के ऊपर बना लिए मकान, लीकेज से आया घरों में पानी, अब 75 लाख रूपये की लागत से नगर परिषद डालेगी नई पाईप लाईन।**

प्र.मंत्री व गृह मंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं, वरूण गांधी की ''अठखेलियों'' पर ध्यान न दें?

हाई कमान का शायद मानना है कि, वरूण गांधी के खिलाफ कार्यवाही करने से बेवजह मेनका गांधी के भाजपा में प्रवेश व मंत्री के रूप में भूमिका चर्चा का विषय बनेगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। अक्खड़ स्वभाव के भाजपा नेता वरूण गांधी, जो तीन बार लोकसभा सांसद रहे हैं, द्वारा अपनी पार्टी, सरकार तथा नेतृत्व के खिलाफ किए गए कटाक्षों तथा अनेक बार की गई कटु निन्दा के बावजूद सत्तारूढ़ भाजपा किसी प्रकार के उकसावे में नहीं आ रही हैं। उनका नवीनतम निशाना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जिनके विपक्ष पर किए गए ''रेवड़ी'' कटाक्ष पर वरूण ने तीखी टिप्पणी की जो चर्चा का विषय बन गई है।

पीलीभीत सांसद वरूण गांधी ने अपनी सरकार पर तीखा व्यंग्य उस समय किया, जब भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने संसद में कहा कि जनता को मुफ्त राशन देने के लिये सरकार को बधाई दी जानी चाहिये। पिछले पाँच सालों में डूबत ऋण की बहुत बड़ी राशि, जिसे ''राइट ऑफ'' (माफ) कर दिया, की तुलना मुफ्त राशन देने से करते हुये, वरूण ने हिन्दी में ट्वीट किया, ''जो सदन गरीबों को 5 किलो राशन मुफ्त देने के लिये ''धन्यवाद'' की अपेक्षा करता है, वही सदन यह भी बताता है कि पिछले पाँच सालो में 10 लाख करोड़ रू ऋण को माफ कर दिया गया है।

वरूण आगे कहते हैं, ''मुफ्त रेवड़ी'' वाली सूची में सबसे ऊपर मेहुल चोकसी तथा ऋषि अग्रवाल के नाम है। सरकारी फंड पर पहला अधिकार किसका है?''

उनकी इस पोस्ट के साथ ही, वित्तराज्य मन्त्री भागवत के. कराड़ द्वारा संसद में पेशस किये गये आँकड़े भी दिये हुये हैं।

निशिकान्त दुबे ने अभी हाल ही में लोकसभा में कहा था कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने के लिये मोदी सरकार को बधाई दी ही जानी चाहिये।

प्रधानमंत्री ने पिछले माह उस समय एक उपद्रव खड़ा कर दिया था, जब उन्होंने ''रेवड़ी कल्चर'' के खिलाफ जनता को चेतावनी दी थी।

उत्तर प्रदेश में एक एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करने के बाद, जन समुदाय को सम्बोधित करते हुये, मोदी ने कहा था, कि मुफ्त चीजें देने के वादों पर वोट माँगने की राजनैतिक दलों की प्रवृत्ति देश के लिये खतरनाक हो सकती हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पर, भाजपा हाई कमान के इस अभय दान का भरपूर ''लाभ'' उठा रहे हैं वरूण गांधी।**
- **उन्होंने नवीनतम खिल्ली, प्र.मंत्री मोदी के राजनीतिक दलों की ''रेवड़ी सभ्यता'' के खिलाफ दिये गये भाषण की उड़ाई।**
- **वरूण गांधी ने भाजपा सांसद निशीकांत दुबे द्वारा संसद में दिये भाषण को लक्ष्य बनाकर कहा, ''वे (निशीकांत दुबे) चाहते हैं, भारत की जनता प्र.मंत्री का आभार माने कि 80 करोड़ लोगों को 5 किलो राशन फ्री बंटवाया।**
- **वरूण ने कहा कि, इसी दौरान केन्द्रीय सरकार ने 10 लाख करोड़ रूपये के ऋण माफ किये, मित्र उद्योगपतियों के।**

धमोरा गांव का लाडला

गुढ़ागौड़जी, 6 अगस्त (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती गांव धमोरा की जाखड़ों की ढाणी का दुष्यंत सिंह जाखड़ थाईलैंड के नाखोन-पथोम शहर में वॉलीबाल आयोजित होने वाले सात दिवसीय ए.वी.सी. कप में भारतीय पुरुष टीम का नेतृत्व करेगा। भारत की19 सदस्यीय टीम शुक्रवार को कोलकाता के नेताजी सुभाषचंद्र बोस एयरपोर्ट से थाइलैंड के लिए रवाना हुई।

भारतीय वॉलीबाल महासंघ के सचिव अनिल चौधरी ने ए.वी.सी. कप में भाग लेने वाली भारतीय टीम की घोषणा की थी। यह टीम थाइलैंड में दुष्यंतसिंह जाखड की कप्तानी में चैम्पियन बनने के लिए दमखम दिखाएगी। दुष्यंत का परिवार भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **धमोरा गांव के दुष्यंत सिंह जाखड़ थाईलैंड में हो रही ए.वी.सी. कप वॉलीबॉल में भारतीय टीम के कप्तान बनाए गए हैं।**

जालोर जिले में गायों में फैल रही है लम्पी स्किन बीमारी

भामाशाह गायों के लिए चारा व पानी की व्यवस्था में जुटे, उपचार के अभाव में गाय दम तौड़ रही हैं

जालोर, (कासं)। जिले भर में गायों में लम्पी स्किन बीमारी तेजी से फैल रही है। भामाशाह गायों के लिए चारा व पानी की व्यवस्था में जुटे हुए हैं । लेकिन गायों के मरने का सिलसिला जारी है। उचित उपचार के अभाव में गाय तडप तडप कर दम तौड़ रही है।

जालोर जिले के बागरा कस्बे में ग्राम पंचायत व ग्रामीणों के सहयोग से बीमारी गायों के लिये भीनमाल रोड साँवलाजी मन्दिर के पास खाली पड़ी जमीन पर एक गौशाला की व्यवस्था की है। जिसमें ग्राम पंचायत द्वारा ट्रेक्टर कर गांव में जगह -जगह जो लम्पी स्किन बीमारी से पीड़ित गायें खड़ी हैं उनको गौशाला में लाया जा रहा है। उस गौशाला में बीमार गायों के लिये चारा पानी दवाई की व्यवस्था की गई है। भामाशाहों के द्वारा पीड़ित गायों पर फिटकरी,नीम आदि से बनी दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है।

इस गौशाला का सरपंच सत्यप्रकाश राणा ने शनिवार को निरीक्षण किया तथा बीमारी से पीड़ित गायों को हर सम्भव सहायता देने की बात कही। पशु चिकित्सक इमरान खान इलाज में जुटे हैं । इस अवसर पर भामाशाह थानमल प्रजापत, कृष्णपाल सिंह सिंधल,गोपाल सिंह मोक राजपुरोहित, भगवत सिंह,पंचायत सहायक हरीश रांगी सहित कई गौसेवक मौजूद रहे।

जिला कलैक्टर के निर्देशानुसार जिलेभर में उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों एवं विकास अधिकारियों द्वारा लंपी स्किन डिजीज के संबंध में सारणेस्वर गौशाला (महेशपुरा), जालंधरनाथ गौशाला, अरणाय गौशाला, तिलोदा, मेंगलवा गौशाला, कृष्ण गौशाला (लेटा), सांकरणा गौशाला, कागमाला गौशाला, भापड़ी गौशाला, मालवाड़ा गौशाला, भागल सेफ्टा, सुरेस्वर गौशाला (ऊन) सहित जिले में स्थित विभिन्न गौशालाओं में पशु चिकित्साधिकारियों के साथ पहुंचकर व्यवस्थाएं देखी।

सामाजिक संगठन के लोगों ने गोशाला में सोडियम हाइपो क्लोराइड का छिड़काव किया।

- बागरा कस्बे में भीनमाल रोड सांवलाजी मन्दिर के पास संक्रमित गायों के लिए गौशाला बनाई

सीएमओं से हरी झंडी का हो रहा है इंतजार, जल्द होंगे शिक्षक तबादले

बीकानेर, (कासं)। तबादलों पर रोक हटने के बाद आदेशों की झड़ी लगाने वाले शिक्षा विभाग में इस बार जल्दबाजी नहीं है, बल्कि ट्रांसफर का इंतजार कर रहे टीचर्स भी परेशान हो गए हैं। स्कूल्स में सेशन शुरू हुए एक महीने से ज्यादा वक्त हो गया लेकिन ट्रांसफर लिस्ट जारी नहीं हुई। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री सचिवालय से हरी झंडी मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

दरअसल, शिक्षा विभाग ने ट्रांसफर लिस्ट को अंतिम रूप दे दिया था। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय से जयपुर पहुंची टीम के मुताबिक काम होता तो अब तक ट्रांसफर आदेश तो दूर ज्वाइनिंग भी हो जाती। इसके विपरीत ट्रांसफर लिस्ट में बार बार फेरबदल हो रहा है। इस बार मुख्यमंत्री सचिवालय से भी ट्रांसफर लिस्ट 'वेरिफाई' हो रही है। वहीं पहले से बनी लिस्ट्स में बार- बार फेरबदल हो रहा है। यही कारण है कि ट्रांसफर लिस्ट में नित नई अड़चन आ रही है।

- सीएम सचिवालय से भी ट्रांसफर लिस्ट 'वेरिफाई' हो रही है

एक अनुमान के मुताबिक प्रिंसिपल और हेडमास्टर के साथ ही लेक्चरर और ग्रेड सेकंड के ट्रांसफर की लिस्ट तैयार है। इस ट्रांसफर से पहले महात्मा गांधी स्कूल्स में प्रिंसिपल व हेडमास्टर लगाए जाने थे। अब वो काम भी लगभग हो चुका है। ग्रेड सेकंड के टीचर्स को भी महात्मा गांधी स्कूल के लिए चयनित किया जा रहा है। इस चयन के बाद ग्रेड सेकंड की लिस्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। जबकि प्रिंसिपल व हेडमास्टर के साथ लेक्चरर की लिस्ट तैयार है। वहीं समसा में भी बड़ी संख्या में टीचर्स का डेपुटेशन होना था। यहां लेक्चरर को छोड़ सभी के डेपुटेशन का काम हो चुका है। महात्मा गांधी स्कूल्स में प्रिंसिपल की लिस्ट एक बार जारी हुई लेकिन बाद में स्थगित कर दी गई।

इस कारण प्रिंसिपल ट्रांसफर लिस्ट में भी फेरबदल हो रहा है। बताया जा रहा है कि अब सोमवार से ट्रांसफर का सिलसिला शुरू हो सकता है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने शनिवार को भी अधिकारियों के साथ मीटिंग की है। अब नए सिरे से मशक्कत करके जल्द से जल्द ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए हैं।

लोकार्पण से पहले ही जगह-जगह से उखड़ी सड़क

मिसिंग लिंक योजना के तहत बनी सड़क कुछ महिनों में ही उखड़ी।

चौंमू/कालाडेरा, (निसं)। मुख्यमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत 78 लाख 50 हजार रुपए की लागत से सार्वजनिक निर्माण विभाग के द्वारा 2.90 किमी सड़क का निर्माण कार्य मिसिंग लिंक योजना के तहत कालाडेरा से भीलपुरा तक वाया चाहरों की ढाणी तक किया गया। जिस सड़क का लोकार्पण विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा किया जाएगा उस सड़क को बने हुए अभी लगभग 2 महीने भी पूरे नहीं हुए हैं। सड़क मानसून कि पहली बारिश में ही जगह-जगह से टूट कर उखड़ चुकी है साथ ही सडक टूटने के कारण बारिश का पानी भी सडक पर भरा है वहीं सडक के दोनों और कई जगह तो अभी भी मोहरम डाल कर पट्टी बनाना बाकी है।

गौरतलब है कि सडक का शिलान्यास 15 अक्टूबर 2021 को चौंमू विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा किया गया था। वहीं विभाग के द्वारा जो सूचना बोर्ड लगाया गया है उस बोर्ड पर कार्य प्रारंभ करने की तिथि 3 अक्टूबर 2021 एवं नियत समाप्ति तिथि 2 जून 2022 लिखी हुई है। लेकिन अभी तक भी सड़क का कार्य पूर्ण नहीं हुआ है साथ ही घटिया निर्माण कार्य के कारण सडक जगह-जगह से उखड़ चुकी है। वहीं लोकार्पण कार्यक्रम कि सूचना मिलने के बाद कार्यक्रम में आने वाले जनप्रतिनिधियों को घटिया निर्माण कार्य का पता ना चले इसको लेकर ठेकेदार के द्वारा आनन-फानन में पेच वर्क करने का काम भी किया जा रहा है।

- 78 लाख 50 हजार रुपए की लागत से हुआ 2.90 किमी सड़क का निर्माण

एएसआई घूस लेते ट्रैप

श्रीगंगानगर,(निसं)। एंटी करप्शन ब्यूरो की श्रीगंगानगर चौकी ने शनिवार को श्रीगंगानगर में कार्रवाई करते हुए श्रीकरणपुर थाने के एएसआई को धर

- मामले में एफआर लगाने की एवज में मांगी थी 15 हजार रुपए रिश्वत

दबोचा। एएसआई ने एक मामले में एफआर लगाने की एवज में पहले पचास हजार रुपए रिश्वत की मांग की। अंत में पंद्रह हजार रुपए लेने पर सहमत हो गया। गुरुवार को रिश्वत मांग सत्यापन करवाया गया। वेरिफिकेशन हो जाने पर शनिवार को एसीबी ने डीएसपी वेदप्रकाश लखोटिया के निर्देशन में कार्रवाई कर आरोपी को धर दबोचा। आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। श्रीगंगानगर की सिंधी कॉलोनी के रहने वाले उग्रसेन पुत्र धर्मपाल मूल रूप से श्रीकरणपुर के गांव मुकन का रहने वाला है। उसके खिलाफ श्रीकरणपुर थाने में मामला दर्ज था। उग्रसेन की शिकायत पर एसीबी ने रिश्वत मांग का सत्यापन करवाया तो मामला पंद्रह हजार रुपए देने पर तय हो गया। वेरिफिकेशन के वक्त गुरुवार को आरोपी उग्रसेन ने दस हजार रुपए शेष पांच हजार रुपए शनिवार को देना तय हुआ। शनिवार को उग्रसेन पांच हजार रुपए रिश्वत राशि देने के लिए पहुंचा। इसी दौरान एसीबी ने जाल बिछा लिया। मौके पर आरोपी के रिश्वत राशि लेने के साथ ही एसीबी टीम ने उसे धर दबोचा।

लम्पी डिजीज को लेकर सामाजिक संगठन आगे आए

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश के साथ मारवाड़ में तेजी से पैर पसार रहे लंपी वायरस को लेकर प्रशासन के साथ अब सामाजिक संगठन भी आगे आने लगे है। कोई नीम-गिलोय और हल्दी के लड्डू बनाकर गायों को खिला रहे हैं तो कोई गायों के बाड़े में हाइपो और कीटनाशक दवाओं का छिडक़ाव कर रहे हैं। वहीं कोई गायों के लिए आयुर्वेदिक चाटा बनाकर खिला रहा है।

तारा सेवा संस्थान ने बनाड़ रोड गिरिजा नगर में पालतू गायों को लंपी बीमारी से बचाने के लिए घर-घर और गोशालाओं में सर्वे कर सोडियम हाइपो क्लोराइड का छिडक़ाव किया।

विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग ने 6 टोलियां बना 6 स्थानों पर 6 हजार औषधियुक्त लड्डू बना बीमार गायों को खिलाने का अभियान शुरू किया। इसमें विहिप के अनिल अग्रवाल, जितेंद्र शर्मा कृष्णा वैष्णव के नेतृत्व में टीमें जुटी हैं।

ओम माधव गो सेवा समिति अध्यक्ष राहुल सोलंकी व अरुण सोलंकी ने बताया कि गायों को हल्दी, काली मिर्च, देसी घी आदि से चाटा बनाकर सुबह-शाम खिला रहे हैं।

गोवंश बचाओ अभियान के तहत ग्राम पंचायत सांगरिया में पशुओं में फैल रही लंबी बीमारी से बचाव के लिए इंजेक्शन लगाए गए।

पीपाड़ शहर के युवाओं ने त्वरित रूप से अपने स्तर पर व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर स्वयं के स्तर पर वित्तीय सहायता राशि एकत्रित कर क्षेत्र के गोवंश की देखभाल एवं बचाव करने की दिशा में कार्य करना आरंभ कर दिया।

युवाओं की पहल और अनुकरणीय भागीदारी की सराहना करते हुए उपखण्ड अधिकारी चौधरी ने कहा कि इससे आम जन में प्रेरणा का संचार होगा ।

- तारा संस्था, विहिप, ओम माधव सतिति सहित पीपाड़ के युवा गौ सेवा में जुटे

पावटा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लंपी वायरस के मामले मिले

पावटा, (निसं)। राजस्थान में तेजी से फैल रही संक्रामक बीमारी लंपी स्किन गौवंश के लिए जानलेवा हो गई है। विशेषकर गौशालाओं में इस रोग का अटैक सबसे अधिक देखने को मिल रहा है।

दरअसल लंपी स्किन डिजीज संक्रमण को लेकर उपखंड पावटा में प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद होने के बाद भी यह पावटा शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में रोग धीरे धीरे पनप रहा है ।

विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में बीमारी से ग्रसित गांयों को देखकर विधायक इंद्राज गुर्जर ने पशु विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए गांवों में पशुओं के इलाज के लिए डॉक्टरों की टीम गठित की । पावटा क्षेत्र में लंपी स्किन बीमारी से ग्रसित पांच गौवंशों की सूचना पर मौके पर पहुंचे एलएसए गोविन्द भारद्वाज ने स्वयं के खर्चे पर ही उपचार किया। चरवाहों का एक समूह लो लगभग 40 से 50 गाय लेकर जा रहा था। डॉ. गौरीशंकर शर्मा ने उन्हें रोककर उन गायों को देखा तो उनमें एक गाय संक्रमित पायी गयी। जिस पर भारद्वाज को मौके पर बुलाकर गौवंश का उपचार करवाया गया।

- डॉक्टरों की टीम गठित कर किया जा रहा उपचार

रातकोट में लंपी वायरस की दस्तक

बांदनवाड़ा, (निसं)। भिनाय उपखंड की पंचायत रातकोट में एक गाय ल म्पी वायरस के संक्रमण की संदेहास्पद पाई गई। रामल ाल रिणवा ने बताया कि पशुपाल क रामधन थरौदा की गाय लंपी वायरस के संक्रमण से ग्रसित पाई गई जिसकी पुष्टि पशु चिकित्सक अरविंद कुमार ने की है। संक्रमित गाय का शनिवार को पशु चिकित्सा कर्मियों की टीम ने गांव रातकोट पहुंचकर उपचार किया।

नाकाबंदी में कांस्टेबल शहीद, पुलिस महकमे में छाया शोक

घटना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची व लोगों की भीड़ लग गई।

जोधपुर, (कासं)। कमिश्रेरेट के जिला पश्चिम के कुडी थाने में तैनात कांस्टेबल रमेश विश्रोई रात को ड्यूटी करते शहीद हो गये । एक अधिवक्ता की कार ने ड्यूटी करते जोरदार टक्कर मारी। अस्पताल ले जाने के कुछ देर बाद निधन हो गया। इस घटना से पुलिस महकमे शोक की लहर छा गई। हाल ही के दिनों में यह दूसरी घटना है । बोरानाडा में रात को ड्यूटी करते एक कांस्टेबल की मृत्यु हो गई थी।

आज सुबह कमिश्रेरेट पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़ सहित कई अफसर एम्स अस्पताल की मोर्चरी पर पहुंचे। जहां कांस्टेबल रमेश विश्रोई को गार्ड ऑफ ऑनर दिए जाने के साथ शव पर पुष्प गुच्छ चढ़ाए ।

शेरगढ़ के केतु स्थित खेत नगर के रहने वाला 27 वर्षीय कांस्टेबल रमेश विश्नोई शुक्रवार की रात पौने बारह बजे के आस -पास वह नाका नंबर 3 पर डिवाइडर पर चढ़ टार्च से रोशनी कर संदिग्ध की तलाश में भी था। इतने में नाका की तरफ आई एक तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई बाद में उस पर चढ़ते हुए कांस्टेबल रमेश विश्रोई को चपेट में लिया। कार की गति इतनी तेज थी कि वह कांस्टेबल को उड़ाते हुए खंभे से जा भिड़ी। कार और खंभे के बीच कांस्टेबल रमेश विश्रोई फंस गया।

कुडी थाने के सबइंस्पेक्टर विश्राम मीणा के अनुसार कार चालक अधिवक्ता महिपाल विश्रोई था। नशा किए जाने की बात से पुलिस ने इंकार किया है। घटना में वह भी कुछ चोटिल हुआ है। कांस्टेबल रमेश विश्रोई की शादी सालभर पहले ही हुई थी। उसके कोई संतान भी नहीं है ।

पुलिस आयुक्त सहित कई अफसर एम्स पहुंचे : आज सुबह पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़, डीसीपी वेस्ट गौरव यादव, एडीसीपी हरफूलसिंह, एसीपी बोरानानाडा जेपी अटल, कुडी थानाधिकारी सुमेरदान सहित कई अन्य अफसरों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर शव को राजकीय सम्मान के साथ गांव के लिए विदा किया गया।

इस घटना के बाद आज पुलिस उपायुक्त पश्चिम गौरव यादव ने आदेश जारी किया। उन्होंने बताया कि शराब पीकर और ओवर स्पीड से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती की जाएगी। आज से 12 अगस्त तक अभियान चलाकर वाहनों को पकड़ने के साथ चालकों का लाइसेंस निलंबित किया जाएगा।

- तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई बाद में कांस्टेबल रमेश को चपेट में ले लिया
- कार और खंभे के बीच फंस गया था कांस्टेबल रमेश विश्रोई
- साल भर पहले हुई थी शादी

तालाब में नहाने गई तीन बालिकाओं की पानी में डूबने से मौत

करौली(नि.स.)। करौली जिले के मण्डरायल उपखंड की चंदेलीपुरा ग्राम पंचायत के मुरीला गांव के तालाब में डूबने से तीन बालिकाओं की मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने बालिकाओं के शव तालाब से बाहर निकाला। वहीं गांव मे कोहराम मच गया और शोक की लहर छा गई।

चंदेलीपुरा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच अशोक ने बताया कि शनिवार को दोपहर राजकुमारी पुत्री विद्याराम निवासी मुरीला, सनई पुत्री यादराम निवासी मुरीला, गौरा पुत्री हरकेश निवासी रामपुर की झोपड़ी तथा एक अन्य बालिका के साथ गांव के पास स्थित तालाब में नहाने चली गई। जहां तीन बालिकाएं पानी मे नहाने लगी और एक बालिका किनारे पर ही रुक गई। तालाब के गहरे पानी में जाने के कारण तीनो बालिकाएं डूबने लगी। एक दूसरे को बचाने के प्रयास में सभी बालिकाएं गहरे पानी में चली गई। इस दौरान तालाब किनारे पर बैठी बालिका भागकर घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीणों की भीड़ तालाब पर जमा हो गई। लोगों ने मशक्कत के बाद तीनों बालिकाओं के शव तालाब से बाहर निकालें। घटना की जानकारी मिलते ही तहसीलदार, उपजिला कलेक्टर और मण्डरायल थानाधिकारी पुलिस जाप्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पूर्व सरपंच ने बताया कि गौरा अपने ननिहाल मुरीला गांव में ही रहती थी और गांव की लड़कियों के साथ तालाब में नहाने चली गई। घटना के बाद बालिकाओं के पोस्टमार्टम की कार्यवाही की।

हत्या के आरोपियों को फांसी सुनाई

भीलवाडा (निसं)। भीलवाड़ा जिले के मांडल थाना क्षेत्र में 7 साल पहले हुए निंबाहेडा के एक परिवार की निर्मम हत्या के मामले में एडीजे (महिला उत्पीड़न प्रकरण कोर्ट) ने शनिवार को अहम फैसला सुनाया है। न्यायालय ने इस निर्मम हत्याकांड के मुख्य आरोपित शराफत व इसके राखीबंद भाई राजेश खटीक को फांसी की सजा से दंडित किया है। दोनों पर क्रमशः 15-15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। विशिष्ट लोक अभियोजक संजू बापना ने बताया कि जिले के मांडल व रायला थाना क्षेत्र में निम्बाहेड़ा के 38 वर्षीय युनूस उर्फ सोनू, इसकी पत्नी चांदतारा उर्फ सोनिया 35, बेटे अशरफ 10, बेटी गुडिया 7, साजिया उर्फ आशिदा 4 व शकीना 2 को जियारत के बहाने यहां लाकर हत्या कर दी थी। एक ही परिवार के 6 सदस्यों की खौफनाक हत्या से पूरा क्षेत्र सहम उठा था।

बनास पुल टूटने की सूचना पर मचा हड़कम्प

टोंक, (निसं)। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन सहित जिला मुख्यालय पर उस वक्त हड़कम्प मच गया, जब यह खबर आग की तरह फैली कि बनास पुल टूट गया है। तत्काल अधिकारियों एवं सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे और तब राहत की सांस ली, जब पता चला कि यह जिला प्रशासन की मॉकड्रील थी।

जानकारी के अनुसार शनिवार को सुबह जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल, जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी, एडीएम परशुराम धानका, एसडीएम गिरधर, एएसपी सुभाष चन्द्र मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक सलेह मोहम्मद, शहर कोतवाल जितेन्द्रसिंह, थानाधिकारी राजेन्द्र खंडेलवाल सहित कई अधिकारी, पुलिस जवान, एनडीआरएफ ओम सहित शहर के जागरुक लोग मौके पर पहुंच गए और मौके पर हालात जाने और सच्चाई जानने के लिए मीडिया कर्मी भी मौके पर पहुंच गए। सबने जब राहत की सांस ली, तब पता चला कि यह जिला प्रशासन की मॉकड्रील थी। सुरक्षा की दृष्टि के मद्देनजर जिला प्रशासन की ओर से मॉकड्रील होती है, जिससे पता चलता है कि कौन अधिकारी कितना चौकन्ना है और कौन लापरवाह है और शहर की जनता का कितनी सजग है।

- मौके पर पहुंचे तो पता चला कि जिला प्रशासन की मॉकड्रील थी
- सच्चाई जानने मीडिया कर्मी भी मौके पर पहुंच गए

मालपुरा में निर्माणाधीन ईंट भट्टे की 130 फीट ऊंची चिमनी गिरी

मलबे में दबे पांच श्रमिक, चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर

मालपुरा, (निसं)। दूदू छाण स्टेट हाईवे पर अम्बापुरा गांव के पास सड़क सीमा से महज सौ मीटर दूर कृषि भूमि पर अवैध रूप से निर्माणाधीन ईंट भट्टे की 130 फीट ऊंची चिमनी धराशाही हो जाने से मलबे में दबकर पांच श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हें डिग्गी कल्याणजी के जा रहे पदयात्रियों ने निकाल और मालपुरा अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से पांचों घायलों को जयपुर रैफर किया गया।

मामले के अनुसार टोरडी ग्राम पंचायत के अम्बापुरा गांव के पास कृषि भूमि खसरा नम्बर 429/3 में अवैध रूप से निर्माणाधीन एक ईंट भट्टे की 130 फीट ऊंची चिमनी शनिवार की दोपहर गिरने के बाद श्रमिकों के चिल्लाने व मलबे में दबने के बाद मौके पर मौजूद ईंट भट्टा निर्माण करवा रहे जिम्मेदार लोग मौके से भाग छूटे।

हादसे के दौरान देवली से डिग्गी कल्याणजी के जा रही पदयात्रा में शामिल मुकेश पारासर, ममता, शिवा, राजू सहित अन्य पदयात्रियों ने कड़ी मशक्कत कर मलबे में दबे घायल श्रमिकों को निकाल 108 एम्बुलेंस की सहायता से घायल मोहम्मद नजर, यूसुफ, रईश, अनीश व फारूक निवासी बेटला यूपी को मालपुरा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायल को चिन्ताजनक हालत में जयपुर रैफर किया।

मीडियाकर्मियों द्वारा हल्का पटवारी अजय यादव से ली जानकारी में सामने आया कि खसरा नम्बर 429/3 जो कि गोपाल नायक, रमेश, पुष्पा, रामा, सीता, रामस्वरूप सभी जाति नायक निवासी अम्बापुरा व 1/30 हिस्सा पांचू रेगर का है जो कि राजस्व रिकॉर्ड में बारानी भूमि दर्ज है। ईंट भट्टा निर्माण से पूर्व उक्त भूमि को व्यवसायिक उपयोग के लिए कनर्वजन हेतु कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

निर्माणाधीन ईंट भट्टे की चिमनी गिरने के बाद घायलों का मालपुरा अस्पताल में उपचार कराया।

- राजस्व विभाग ने साधी चुप्पी

मौके पर मौजूद अम्बापुरा के ग्रामीणों ने बताया कि कृषि भूमि पर ईंट भट्टा निर्माण के लिए तकरीबन आधा दर्जन प्रभावशाली लोगों ने जमीन के खातेदारों से उक्त जमीन लगभग 15 लाख रूपये में लीज पर लेकर बिना सुरक्षा संसाधनों के घटिया निर्माण सामग्री से निर्माण कार्य करवा जा रहा था।

मौके पर सुरक्षा संसाधनों का अभाव सामने आया। बिना भूमि रूपान्तरण करवाये कृषि भूमि पर व्यवसायिक गतिविधि होने के बावजूद सम्बन्धित गिरदावर पटवारी यहां तक की राजस्व विभाग द्वारा कार्यवाही नहीं करना सवालों के घेरे में है ।

आयुर्विज्ञान परिषद ने श्रीगंगानगर मैडिकल कॉलेज को 100 सीटें स्वीकृत की

श्रीगंगानगर। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परिषद के द्वारा श्रीगंगानगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज मे सत्र 2022-23 के लिए एमबीबीएस की 100 सीटों के साथ शुरुआत की अनुमति प्रदान कर दी है। लोकसभा सांसद निहालचन्द ने संसदीय क्षेत्र को इसी वर्ष इस सौगात हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का धन्यवाद प्रेषित किया है।

इस सरकारी मेडिकल कॉलेज को भौतिक संसाधनों के गहन निरीक्षण व परीक्षण के बाद अनुमति दी गई है। लोकसभा सांसद निहालचंद ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति से लेकर मेडिकल की सीटों की स्वीकृति के लिए लम्बे समय से विभिन्न मंत्रालयों के सम्पर्क में रहे हैं। फिलहाल 100 सीटों के साथ इसकी शुरुआत इस सीमावर्ती क्षेत्र के लिये गौरव की बात है। इनमें से 15 सीट एनआरआई और 15 सीट आल इंडिया कोटे की हैं। एनआरआई सीट की फीस एक लाख डॉलर होगी। शेष 70 सीटों मे से 35 सीटें मैनेजमेंट की होंगी। इन सीटों पर जिनका दाखिला होगा, उन्हें 5 लाख रुपए सालाना फीस देनी होगी। शेष 35 सीट सरकारी होंगी, जिनकी फीस लगभग 50 हजार रुपए बताई गई है।

बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए वयस्क मानसिकता में बदलाव लाना जरुरी : निलिमा सिंह

कोटा, (निसं)। बाल विवाह एवं बाल संरक्षण मुद्दों पर समझ बनाने एवं संयुक्त कार्यवाही हेतु कार्ययोजना निर्माण को लेकर कोटा संभाग के सेवा प्रदाताओं एवं युवाओं के साथ शिव शिक्षा समिति रानोली यूनिसेफ एवं कोटा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान मे एक दिवसीय संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की शुरुआत मे शिव शिक्षा समिति रानोली सचिव शिवजीराम यादव ने बताया की संस्था यूनिसेफ के सहयोग से राजस्थान के सभी जिलों मे बाल संरक्षण मुद्दो पर युवाओं विशेषकर राष्ट्रीय सेवा योजना एवं नेहरु युवा केन्द्र स्वंयसेवकों के क्षमता निर्माण हेतु युवा पहल नामक परियोजना का संचालन किया जा रहा है इस परियोजना के तहत संभाग स्तर पर बाल संरक्षण तंत्रों के साथ मिलकर कार्ययोजना निर्माण एवं उसके क्रियान्वयन पर कार्य किया जा रहा है। कोटा विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ॰ सौरभ दलेला ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए बाल मैत्रीपूर्ण कोटा एवं बाल विवाह, बाल श्रम मुक्त कोटा की परिकल्पना को साकार करने की बात कही।

कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति निलिमा सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बताया की बच्चें को जीवन जीने के अवसरों से दूर करना नाइंसाफी होगी। जब बच्चें को दुनिया मे लाते है जो हम सब की जिम्मेदारी है कि उसे पूर्ण सुरक्षा, विकास, संरक्षण के अवसर प्रदान करे। उसे अनदेखा ना करे। बाल विवाह हो रहे है, ढाबों पर बाल श्रम हो रहा है बच्चों को हिंसा से बचाव के लिए कानून है किन्तु इन सब के लिए जिम्मेदार है व्यस्क मानसिकता, इस मानसिकता मे बदलाव लाने के लिए काम करने व कानून बनाने की आवश्यकता है इस कार्यशाला से सकारात्मक सदेंश ले जाने एवं से प्रसारित करने की बात कही।

इसके बाद तकनीकि सत्र मे बाल संरक्षण अधिकारी यूनिसेफ मन्ना विश्वास ने बच्चें की परिभाषा स्पष्ट करते हुए बाल अधिकार और संरक्षण विषय पर चर्चा की साथ ही बाल संरक्षण मुद्दों मे युवा भागीदारी एवं भूमिका बताते हुए बाल संरक्षण से जुड़े मुख्य तंत्र एवं योजनाओं की जानकारी दी। बाल सन्दर्भ केन्द्र जयपुर से सन्दर्भ व्यक्ति राजकुमार पालीवाल ने किशोर न्याय अधिनियम, बालकों का लैगिगं अपराधों से सरंक्षण अधिनियम 2012, बाल श्रम प्रतिषेध एवं विनिमियम अधिनियम 1986, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के मुख्य प्रावधानों पर जानकारी प्रदान करते हुए बाल संरक्षण से जुड़े जिला व राज्य स्तरीय तंत्रों की जानकारी दी।

यज्ञदत हाड़ा, बाल कल्याण समिति सदस्य एवं शिवजीराम यादव ने खुले सत्र के माध्यम से बाल संरक्षण मे युवाओं की सकारात्मक भुमिका, किशोरियों से जुड़े मुद्दे, स्कूल के आस-पास की संभावित चुनौतिया एवं समुदाय की भूमिका पर कार्ययोजना तैयार की गई। कार्यशाला के दौरान विश्वविद्यालय से डॉ॰अनुक्रति शर्मा, प्रज्ञा धीर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक ओमप्रकाष तोषनीवाल, जिला पूर्नवास अधिकारी भगवान सहाय, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कनीज फातिमा, सदस्य अरुण भार्गव व मधुबाला शर्मा एवं नेहरु युवा केन्द्र स्वयंसेवक, गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं युवा साथी उपस्थित रहे।

स्व. कोमल धारीवाल की स्मृति में पौधारोपण किया

कोटा, (निसं)। स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शांति धारीवाल की धर्मपत्नी स्व. कोमल धारीवाल की सप्तम पुण्य तिथि के अवसर पर शहर भर में विभिन्न तरीकों से सेवा कार्य कर उनका स्मरण किया गया।

इसी क्रम में युवा कांग्रेस नेता व समाजसेवी कपिल रजवानिया के नेतृत्व में रिद्धी सिद्धी नगर प्रथम में स्व. कोमल धारीवाल की स्मृति में वातावरण की शुद्धता एवं धरा को हरा भरा बनाने की दृष्टि से सामूहिक रूप से पौधारोपण किया गया। इस मौके पर युवा कांग्रेस नेता कपिल रजवानिया सहित रिद्धी सिद्धी नगर प्रथम के अध्यक्ष अरविन्द जैन, गणपति आवास कॉलोनी अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह हाड़ा, कांग्रेस नेता दिनेश मीणा, आर्यन जैन, राहुल, शुभम टेलर आदि कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण किया। स्व. कोमल धारीवाल की स्मृति में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाये गये।

सार-समाचार

विद्यार्थियों को स्तनपान का महत्व बताया

कोटा, (निसं)। श्री गिर्राज शिक्षण एवं जन कल्याण समिति द्वारा संचालित जायसवाल कॉलेज ऑफ नर्सिंग रानपुर कोटा में 1 अगस्त से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। संस्था द्वारा स्तनपान की महत्वता के बारे में छात्र-छात्राओं को बताया गया वहीं नर्सिंग स्टूडेंट ने रानपुर गांव में जाकर महिलाओं को जागरूक किया साथ ही छात्रों द्वारा पेपर प्रेजेंटेशन पोस्टर एवं सेमिनार द्वारा प्रशिक्षित किया गया। मीडिया प्रभारी भूपेंद्र नागर ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ रानपुर स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. शेफाली शर्मा व कॉलेज प्राचार्य रफीक कुरैशी द्वारा किया गया। डॉ. शेफाली शर्मा द्वारा स्तनपान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि मां का दूध बच्चों के लिए अमृत समान होता है, साथ ही मां को भी कई गंभीर बीमारियों से बचाता है। कार्यक्रम में कॉलेज के जगमोहन नागर, फिरोज मंसूरी परमेंद्र सोनी, मधुसूदन, गोपाल, रिचू जैकब, अनिला थॉमस, एवं कॉलेज के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

व्यवसायिक प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी घोषित

कोटा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी कोटा शहर व्यवसायिक प्रकोष्ठ के कोटा जिला संयोजक अनिल तिवारी ने व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्याम अग्रवाल एवं कोटा शहर जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अशोक बादल की सहमति से कोटा के व्यवसायिक प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी घोषित की। जिसमे सहसंयोजक गौरव सोनी, सोनिया राठौर को एवं धर्मेंद्र दीक्षित, सीए आशीष व्यास, अवधेश सोनी, राकेश शर्मा, रमेश गोस्वामी, मनीष अधलखा , शैलेंद्र महाराजा, सागर भाटी, अनिल इसरानी, भूपेंद्र कुमार शर्मा, भवानी शंकर को जिला कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किये गये है। संयोजक अनिल तिवारी ने बताया की शीघ्र ही कोटा शहर के भाजपा के सभी चौदह मंडलो के मण्डल संयोजक सहसंयोजक और मंडल कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।

ख्वाजा की महाना छठी मनाई

कोटा, (निसं)। दरगाह जंगली शाह परिसर में मोहर्रम पर सूफी हाजी मोहम्मद रमजान के आस्ताने पर ख्वाजा की महाना छठी शरीफ का लंगर व चादर पेश की गई। इमरान खान ने बताया की सुबह 10 बजे कुरान ख्वानी मिलाद शरीफ हुई शाम को कलामों के साथ चादर पेश की शाम 7 बजे छठी शरीफ का लंगर के बाद लोगों ने अकीदत के फूल पेश किए बाद मुल्क में अमन शांति की दुआएं की गई। इमरान खान ने बताया की इस कार्यक्रम में गद्दी नशीन मंगू भाई के पगड़ी बानी गई शहर के गणमान्य लोग शामिल हुए हाजी अब्दुल रशीद जावा, महमूद खान, हाजी नसरुदीन घोसी, सलीम रहमानी, गुलाम जिलानी, आरिफ हुसैन, सलीम खान, नजीर, शफात, नजीर, अब्दुल वहीद, मौलाना गुलाम रबाना, मोहम्मद शाहिद, सदाकत हुसैन, मुहम्मद इदरीस, वसीम खान, मोहम्मद अय्यूब, अकील, पप्पू, सलीम मंसूरी, आदि मौजूद रहे।

गर्भवती महिलाओं का चिन्हित किया

कोटा, (निसं)। संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर संचालित सुपोषित मां अभियान के द्वितीय चरण के लिए जिले के ग्रामीण अंचलों में गर्भवती महिलाओं को चयनित किया जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता आशा त्रिवेदी ने बताया कि शुक्रवार को ग्रामीण क्षेत्र के लाडपुरा, ताथेड़, मंडाना व कैथून, शुक्रवार को रामगंजमंडी, सुकेत, चेचट, ढाबादेह और खैराबाद में शिविर आयोजित कर गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर अभियान के लिए उनका चयन किया गया। त्रिवेदी ने बताया कि सुपोषित मां अभियान के तहत कोटा और बूंदी में 3000 महिलाओं को सुपोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। इन महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर चयन करने के बाद इन्हें 9 माह तक पोषण किट उपलब्ध की जा रही है। शिविर में सामाजिक कार्यकर्ता चंचल राठौड़, सपना त्रिपाठी, प्रिया आदि मौजूद रही।

दिनेश विजय ने अपने 60वें जन्मदिन पर 60 नए डोनर्स के साथ रक्तदान किया

कोटा, (निसं)। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष व मां भारती जन कल्याण चेरिटेबल ट्रस्ट के उपाध्यक्ष दिनेश विजय के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर लगाया गया।

■ जन्मदिवस पर नेगेटिव व पॉजिटिव डोनर्स ने बराबर रक्तदान किया

दिनेश विजय का 60वां जन्मदिवस महत्वपूर्ण रहा, जिसमें 60 यूनिट रक्तदान हुआ जिसमें से 30 यूनिट नेगेटिव व 30 यूनिट पॉजिटिव रक्तदान किया गया। पहले से ही सूचीबद्ध किए जाने से इस तरह का रक्तदान शिविर सम्पन्न किया गया। टीम जीवनदाता के संस्थापक संयोजक व लायंस क्लब के रीजनल चेयरमैन भुवनेश गुप्ता ने बताया कि कोटा शहर में नगेटिव ब्लड ग्रुप की कमी चली आ रही थी, ऐसे में लोगों की सूची बनाई गई और नेगेटिव डोनर्स को एकत्रित कर इस तरह का रक्तदान किया गया। इस अवसर पर मां भारती नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने रक्तदान का महत्व जाना और 18 वर्ष पूर्ण होने पर रक्तदान करने का संकल्प लिया। दिनेश विजय ने कहा कि परिवार ने संकल्प लिया कि आने वाले जन्मदिवस परिवार में दिवंगतों की पुण्यतिथि व शादी की वर्षगांठ पर भी ऐसे ही आयोजन किए जाएंगे। शिविर संयोजक वर्षित विजय ने बताया कि रक्तदान शिविर आगे भी निरंतर लगाए जाएंगे ताकी जो कमी चल रही है उसे दूर किया जा सके।

रक्तदान करने वालो में राजकुमार सेन, लोकेश सामरिया, हर्ष सोनी, कुणाल राजपूत चक्षु जोशी समेत 60 नए डोनर्स उपस्थित थे। इस अवसर पर लायंस क्लब कोटा शक्ति की संरक्षक पुष्पांजलि विजय, पूर्व प्रांतपाल पूर्णिमा खंडेलवाल, अध्यक्ष स्वर्णा गुप्ता, सचिव अल्का जैन व कोषाध्यक्ष मीना अग्रवाल, महावीर नगर क्षेत्र पार्षद सुनील गौतम, वैश्य समाज के प्रदेशाध्यक्ष मुकेश विजय, मां भारती नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य मंथन तिवारी, व्याख्याता मनीष जैन का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने नगर निगम कोटा उत्तर के वार्ड 18 में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नयानोहरा में पौधारोपण किया तथा विद्यालय में दो कक्षा कक्ष निर्माण एवं वाटर कूलर लगाने हेतु विधायक कोष से 10 लाख रुपये की घोषणा की। लाडपुरा विधायक ने बताया कि विद्यालय में छात्रों की संख्या के अनुसार कक्षा कक्ष नहीं होने पर प्रधानाचार्य एवं लोगों की मांग पर 2 कक्षा कक्ष का निर्माण एवं वाटर कूलर लगाने हेतु विधायक कोष से 10 लाख रूपये की घोषणा की। विधायक के साथ पार्षद देवेन्द्र शर्मा, ओम मालव, धन्नालाल रानीवाल, पृथ्वीराज लश्करी, इकबाल सिंह बरार, बिरधीलाल गोस्वामी, राधेश्याम मेघवाल, हेमराज रैगर, बाबूलाल आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खोया-पाया

मेरे आवास नं. 3/483 स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा के मूल दस्तावेज में रजिस्ट्रेशन राशि का चालान रसीद व सीट मनी लेटर तथा सीट मनी की रसीद इधर उधर कही रास्ते में गुम हो गये है। जिस किसी को मिले सूचित करें।
पता-मोहनलाल मेहरा, 3/483 स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा
मो. 8963064719

पश्चिम मध्य रेल्वे
वाणिज्य विभाग

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे कोटा मंडल निम्न कार्य 57-2022 दिनांक 04.08.2022 के लिए ई-निविदा आमन्त्रित करते है । निविदा खुलने की तारीख 05.09.2022 एवं समय 15:30 बजे निर्धारित है । इस निविदा में किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जायेगा । **निविदा संख्या:** 57-2022 Dt. 04.08.2022, **कार्य का नाम :**पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल के जुल्मी स्टेशन पर रेलवे भूमि पर गति शक्ति मल्टी मोडल कार्गो पालिसी 2021 के तहत लोडिंग/अनलोडिंग सुविधाओं और संबंधित वुनियादी ढ़ांचे के निर्माण और रखरखाव का कार्य के लिए आवंटित करने हेतु । **कार्य की अनुमानित लागत रु.:** 311140465.54, **बयाना राशि रु.:** 27209600/-, **निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तारीख व समय:** 05.09.2022 को 15:00 बजे । निविदाता/बोलीदाता के पास कक्षा III डिजिटल हस्ताक्षर होना आवश्यक है व www.ireps.gov.in पोर्टल पर पंजीकरण होना चाहिए । केवल पंजीकृत निविदाता/बोलीदाता ई-निविदा में भाग ले सकते है सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय निविदाता द्वारा अपलोड किया जाना चाहिए । इस निविदा की पूर्ण जानकारी व दस्तावेज www.ireps.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है ।
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेल्वे, कोटा
कोरोना को हराना है, तो टीका लगवाना है

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवास संख्या 4-जे-2 महावीर नगर तृतीय कोटा पर घनश्याम धाकड पुत्र सोहनलाल के द्वारा एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड से ऋण (ऋण खाता संख्या 607094876, 607107958) प्राप्त किया गया था। उनके द्वारा अपनी मिल्कियत आवास संख्या 4-जे-2 महावीर नगर तृतीय कोटा के असल दस्तावेजात एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड में रहन रखे हुए है। घनश्याम धाकड की दिनांक 20.05.2021 को मृत्यु हो चुकी है तथा उक्त सम्पत्ति के पेटे लिए हुए ऋण की पूर्ण अदायगी एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड को की जा चुकी है। उनकी पत्नी श्रीमती शान्ति देवी उक्त सम्पत्ति के असल दस्तावेजात को प्राप्त करना चाहती है। यदि इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज सूचना प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता या एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड शाखा विज्ञान नगर कोटा के समक्ष लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद सूचना कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हो।
संदीप जैन एडवोकेट
583-ए तलवण्डी कोटा
मो. 9829180432

न्यायालय अपर जिला एवं सैशन
न्यायाधीश छबड़ा
पीठासीन अधिकारी सुश्री प्रीति नायक, आर.एच.जे.एस.
उत्तराधिकार प्रमाण पत्र,
प्रकरण संख्या 34/2022

1. कमलाबाई आयु 45 वर्ष पत्नी ओमप्रकाश,
2. मनोज आयु 27 वर्ष पुत्र ओम प्रकाश,
3. नीतू आयु 23 वर्ष पुत्री ओम प्रकाश,
4. रितेश आयु 19 वर्ष पुत्र ओम प्रकाश जातियान साहू निवासीगण वार्ड नंबर 1 गायत्री मंदिर के सामने छबड़ा जिला बारां (राज.) ....प्रार्थीगण

बनाम

सर्वसाधारण ..... अप्रार्थी

प्रार्थना पत्र बाबत् उत्तराधिकार प्रमाण पत्र

वास्ते, सर्व साधारण,

जो कि मृतक श्री ओमप्रकाश पुत्र पन्नालाल जाति साहू निवासी वार्ड नंबर 1 गायत्री मंदिर के सामने छबड़ा तहसील छबड़ा जिला बारां (राज.) की मृत्यु दिनांक 06.06.2021 को कस्बा छबड़ा जिला बारां (राज.) में हो चुकी है। मृतक ओमप्रकाश के प्रार्थीगण विधिक उत्तराधिकारी है। इनके अलावा/अतिरिक्त अन्य कोई उत्तराधिकारी एवं नजदीकी रिश्तेदार नहीं है।

मृतक ओमप्रकाश के राजकार्य में दस्तावेज पेश करने, बैंक आयकर विभाग इत्यादि में रिटर्न फाइल करने एवं अन्य कार्य के लिए प्रार्थीगण ने उत्तराधिकार हेतु इस न्यायालय में प्रार्थना पत्र पेश किया है।

अतः इस सूचना पत्र द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मृतक ओमप्रकाश के राजकार्य में दस्तावेज पेश करने, बैंक आयकर विभाग इत्यादि में रिटर्न फाइल करने एवं अन्य कार्य के लिए प्रार्थीगण के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किए जाने में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो, दिनांक 3.9.22 समय 10 ए.एम. पर इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश करें

दिनांक 2.8.22 को मेरे हस्ताक्षर एवं मुद्रा से प्रसारित किया गया।
अपर जिला एवं सैशन
न्यायाधीश छबड़ा

शुभाशीष गीता व पीएनबी के प्रोपर्टी महोत्सव का शुभारंभ

शुभाशीष गीता व पंजाब नेशनल बैंक द्वारा प्रोपर्टी महोत्सव का आयोजन किया गया।

कोटा, (निसं)। शुभाशीष गीता व पंजाब नैशनल बैंक द्वारा होटल ओरटस में आयोजित 2 दिवसीय 6 एवं 7 अगस्त प्रोपर्टी महोत्सव का उद्घाटन पीएनबी के मण्डल प्रमुख हनीफ मोहम्मद द्वारा किया गया।

मण्डल प्रमुख ने बताया कि बैंक द्वारा 30 सितम्बर तक स्वीकृत आवास व प्रोपर्टी ऋणों पर प्रोसेसिंग व डॉक्यूमेंटेशन शुल्क फ्री है। बैंक द्वारा आसान शर्तो पर टेक ओवर की भी सुविधा उपलबध करवाई जा सकती रही है। शुभाशीष होम्स के कार्यकारी निदेशक व सीईओ मोहित जाजू ने बाताया कि मेडिकल हब स्थित शुभाशीष गीता प्रोजेक्ट को ग्राहकों को कोटा में शानदार रिस्पोंस मिल रहा है। यह प्रोजेक्ट रिसोर्ट लाईफ स्टाईल थीम पर बेस्ड है।

ग्राहकों को यहां का खुला वातावरण, हरियाली, वर्ल्ड क्लास एमेनिटीज और रिवर थीम बेस्ट सेन्ट्रल पार्क मन भा रहा है। मोहित जाजू ने बताया कि प्रोजेक्ट को स्मार्ट प्रोजेक्ट ऑफ नॉर्थ इण्डिया 2021 के अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। प्रोजेक्ट को चार्जिग पॉइन्ट प्रोविशन स्मार्ट वाटर मीटर, स्मार्ट होम्स जैसे फीचर्स यूनिक बनाते हैं।

यह प्रोजेक्ट 9.3 एकड एरिया में स्थित है। इस अवसर पर बैंक के एमसीसी प्रमुख एवी सिंह व अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

'हर घर तिरंगा' अभियान में सहभागी बन सफल बनायें'

कोटा, (निसं)। कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने अपने कार्यालय में केन्द्र सरकार द्वारा 15 अगस्त, 2022 पर राष्ट्र आजादी का अमृत महोत्सव आजादी की 75वीं वर्षगांठ को यादगार बनाने के तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिये कोटा दक्षिण कार्यालय पर बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर विधायक संदीप शर्मा ने बैठक में उपस्थित कई सामाजिक संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थाओं, चिकित्सा संस्थाओं पदाधिकारियों उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए किसान मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी राकेश नायक ने इस अभियान की जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक संदीप शर्मा ने बैठक में उपस्थित संस्थाओं के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव मनाने जा रही है और इस अमृत महोत्सव को सफल बनाने के लिये सम्पूर्ण भारत में घर-घर तिरंगा अभियान का शुभारम्भ कर रही है और इस अभियान में लिए देशभर के 25 करोड़ से ज्यादा घरों में तिरंगा फहराया जाना है और तिरंगा अभियान में लोग काफी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस अभियान के माध्यम से भारत के प्रत्येक नागरिक में देशभक्ति की भावना का संचार होगा और युवाओं में भी इससें अभियान से राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार होगा। हम सब को मिल कर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस अपील से जुड़कर आजादी के अमृत महोत्सव पर स्वतंत्रता दिवस पर हर एक नागरिक को हर घर तिरंगा अभियान में में शामिल होना चाहिए और हर घर तिरंगा लगाना चाहिए।

विद्यार्थियों के लिए एक प्रतियोगिता शुरू की

कोटा, (निसं)। भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में रेजोनेंस की ओर से विद्यार्थियों के लिए एक अनूठा डिजिटल आयोजन किया जा रहा है। रेजोनेंस ने उमंग नाम से कक्षा 3 से लेकर 12 तक के विद्यार्थियों के लिए एक प्रतियोगिता शुरू की है जिसमें विद्यार्थियों को देश की स्वतंत्रता एवं देशभक्ति के ऊपर अपना एक वीडियो बनाकर भेजना है जिसमें विद्यार्थी अपनी देशभक्ति को गीत, कविता, स्पीच, शायरी, नृत्य या संगीत उपकरणों पर प्रस्तुति के रूप में भेज सकते हैं वीडियो की अधिकतम अवधि 75 सेकंड से अधिक नहीं होनी चाहिएं। यह वीडियो विद्यार्थी 5 अगस्त से 13 अगस्त प्रात: 10.00 बजे तक भेज सकते हैं चयनित वीडियोज़ को रेजोनेंस के यूट्यूब चैनल पर 15 अगस्त तक प्रसारित किया जाएगा। जो विद्यार्थी जितना जल्दी वीडियो भेजेंगे।

कार्यालय नगर निगम, कोटा-उत्तर

क्रमांक:-ननिको.(उ.)/जोन प्रथम/2022/6004-6005 दिनांक: 3.8.2022

-: सार्वजनिक विज्ञप्ति :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुरेन्द्र कुमार लालवानी पुत्र स्व. श्री फतेहचन्द लालवानी निवासी दुकान नं. 13 पुरानी सब्जीमण्डी कोटा स्थित भूखंड क्षेत्रफल 26.66 वर्गगज का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने का आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है।

आवास/भूखंड दुकान नं. 13 पुरानी सब्जीमण्डी कोटा स्थित भूखंड की रजिस्ट्री दिनांक 16.06.2004 द्वारा श्री फतेहचन्द पुत्र श्री घुमडमल के पक्ष में जारी किया गया था। श्री फतेहचन्द पुत्र श्री घुमडमल ने रिलीज-डीड जरिये रजिस्ट्री दिनांक 26.04.2022 को सुरेन्द्र कुमार लालवानी पुत्र स्व. श्री फतेहचन्द लालवानी निवासी दुकान नं. 13 पुरानी सब्जीमण्डी कोटा को की गई।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार आवास/भूखंड दुकान नं. 13 पुरानी सब्जीमण्डी कोटा स्थित उक्त भूखंड का नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का नाम हस्तान्तरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य कोई जो उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 07 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित रुप से अधो-हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। उक्त निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त नगर निगम कोटा उत्तर

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांक:-स्टोर/2022-23/3516 दिनांक:-05.08.2022

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद बून्दी द्वारा ऐतिहासिक कजली तीज मेला 2022 में साईकिल स्टेण्ड की निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक संवेदक 10000/-रु. अमानत राशि जमा करवाकर निविदा प्रक्रिया में भाग ले सकता है। उक्त बोली दिनांक 12.08.2022 को अपरान्ह 3.00 बजे से 5.00 बजे तक कार्यालय में लगाई जावेगी। जिसकी प्रारम्भिक सरकारी बोली 2.80 लाख रुपये होगी। बोलीदाताओं की कोई शर्ते मान्य नहीं होगी। संवेदकों द्वारा धरोहर राशि प्रात: 9.30 से 3.00 बजे तक जमा करवानी होगी। उसके पश्चात राशि जमा नहीं की जावेगी।

आयुक्त
नगर परिषद बून्दी

खेमराज कमेटी के कार्यकाल को बढ़ाने का विरोध किया

कोटा, (निसं)। राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष रामजीलाल मीणा व महामंत्री विवेक गौड़ ने संयुक्त बयान जारी कर बताया कि मंत्रालयिक कर्मचारियों व अन्य संवर्ग की वेतन विसंगतियों के निराकरण हेतु बनी खेमराज कमेटी के कार्यकाल को बार-बार आगे बढ़ाये जाने का विरोध करते हुए कहा है कि जिन मुद्दो का हवाला देकर कमेटी का शुक्रवार को दिसम्बर, 2022 तक कार्यकाल बढ़ाया है।

इनका कोई औचित्य ही नहीं है, ये मात्र कर्मचारियों को गुमराह करने का सरकार का तरीका है, जिसका राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ विरोध प्रकट करता है जिसका शीघ्र विरोध पत्र सरकार को सौपा जायेगा इस संबंध में प्रदेशाध्यक्ष राजसिंह चौधरी ने कड़ा ऐतराज जताते हुए सरकार को चेताया है कि सरकार मंत्रालयिक कर्मचारियों के मुख्य मुद्दों से भटक रही है।

जिसमें कनिष्ठ सहायक का वेतनमान 9840 करने, ग्रेडपे 3600 को विलोपन कर सहायक प्रशासनिक अधिकारी की ग्रेडपे 4200 करते हुए अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी की ग्रेडपे 4800 करते हुए मुख्य संस्थापन अधिकारी का नवीन पद ग्रेडपे 7600 में स्वीकृत करते हुए पदौन्नती में एक बर्ष में दो पदोन्नति की बाध्यता को हटाया जाये एवं हाल ही में केडर रिव्यू के पश्चात स्वीकृत 8400 पदों को एकबारगी पूर्ण शिथिलता सभी पदो पर जारी करने के आदेश सहित योग्यता को स्नातक किया जावे।

जिलाध्यक्ष रामजीलाल मीणा ने कहा यदि सरकार ने समय रहते इन मांगो के आदेश जारी नहीं किये तो राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ आगामी प्रदेश कार्यकारणी की बैठक जो इसी माह के अंतिम सप्ताह में जयपुर में आयोजित होगी उसमें निर्णय लिया जाकर आंदोलन का विगुल बजाया जाएगा।

बिक्री एवं विपणन सूचना **Hi-Power Fertilizers & Chemicals Pvt. Ltd.**

कृषि सहकारिता तथा किसान कलयाण विभाग, कृषि तथा किसान कलयाण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी आदेश संख्या S.O. 2900 (E) दिनांक 24 अक्टूबर, 2015 तथा संशोधन दिनांक 30 दिसम्बर 2007 के अनुक्रम में, हम हाई-पॉवर फर्टिलाईजर्स एण्ड केमिकल्स प्रा0लि0 एतद् द्वारा अधिसूचित करते है कि हम नीचे दिए गए विनिर्धारण के अनुसार 100 प्रतिशत पानी में घुलनशील फर्टिलाईजर ग्रेडस के मिश्रण की बिक्री राजस्थान राज्य में करने के इच्छुक है।

W/V

S. No.	Name of Products	NPK 13:00:45	NPK 00:52:34	NPK 12:61:00	NPK 17:44:00	NPK 19:19:19	NPK 13:40:13	NPK 00:00:50	NPK 12:11:18	Potassium Schoenite	Calcium Nitrate	Potassium Magnesium Sulphate	Boronated Calcium Nitrate
1	Total Nitrogen Percent Minimum	13		12	17	19	13		12		14.5		13.5
2	Water Souble Phophorus P2O5 Percent Minimum		52	61	44	19	40		8				
3	Water Souble Potassium as K2O Percent Minimum	45	34			19	13	50	18	23		22	
4	Water Souble calcium as CaO Percent Minimum										18.5		17
5	Water Souble Magnesium as MgO Percent Minimum									11		18	
6	Total chloride as Cl Percent Maximum	1.5						2.5	1			2.5	
7	Matter Insoluble in Water Maximum	0.05		0.5	0.5	0.5	0.5				1.5		
8	Sodium as NaCl Percent Maximum	1	0.025	0.5		0.5	0.15	2		1.5		2	
9	Lead as Pb Percent Maximum												
10	Calcium as Cd Percent Maximum												
11	Arsenic as As Percent Maximum												
12	Water Souble Sulphur as S Percent minimum							17.5	7.5			20	
13	Water Souble Boron as B Percent minimum												0.25
14	Water Soluble Magnesium as Mg Percent minimum								1				

हाई-पॉवर फर्टिलाईजर्स एण्ड केमिकल्स प्रा0लि0
जी-465, इंडस्ट्रीयल एरिया, भिवाड़ी-301019 (राज.) कस्टमर केयर नं. 011-27678069

जेईई-मेन-2022 : उम्र और आवेदन क्रमांक ऑल इंडिया टॉप रैंक्स तय करेंगे

■ इस वर्ष एआईआर-1 पर एक ही विद्यार्थी रहेगा, गत वर्ष एआईआर-1 पर 18 विद्यार्थी थे

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन के दोनों सेशन के आधार पर ऑल इंडिया रैंक व सेशन-2 का एनटीए स्कोर 6 अगस्त को जारी हो सकता है। इसके साथ ही जेईई-एडवांस्ड की पात्रता भी जारी कर दी जाएगी।

इस वर्ष रिजल्ट में ऑल इंडिया रैंक पर एक ही विद्यार्थी रहेगा, क्योंकि गत वर्ष के परिणामों से सीख लेते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा दो विद्यार्थियों के एनटीए स्कोर में टाई लगने पर ऐसे मापदण्ड तय किए गए हैं कि एक से अधिक विद्यार्थियों की ऑल इंडिया रैंक-1 आना संभव नहीं है।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष जेईई-मेन-2021 में आल इंडिया रैंक-1 पर 18 विद्यार्थी थे। जेईई-मेन जून 24 से 30 जून तथा जुलाई सेशन 25 से 30 जुलाई के मध्य आयोजित की गई थी, जिसमें 9 लाख से अधिक यूनिक कैंडिडेट शामिल हुए। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि जेईई-मेन जून अटेम्प्ट में कुछ विद्यार्थी ऐसे भी हैं जिनके 300 में से 300 अंक के परफेक्ट स्कोर आ रहे हैं। ऐसे ही जुलाई सेशन में भी कुछ विद्यार्थी ऐसे हो सकते हैं, जिनका 300 में से 300 अंक हों। इन विद्यार्थियों के ऑल इंडिया रैंक निकालने के लिए सबसे अंतिम मापदण्ड के रूप में आयु एवं जेईई-मैन आवेदन क्रमांक का आरोही क्रम ही निर्धारण होगा। ऐसे में जिन विद्यार्थियों के 300 अंक आने के साथ-साथ 100 पर्सेन्टाइल भी है, उन विद्यार्थियों की शीर्ष ऑल इंडिया रैंक आयु एवं जेईई-मेन आवेदन क्रमांक के आधार पर जारी की जाएगी। ऐसे में यह संभावना बिल्कुल न्यूनतम हो जाती है कि दो विद्यार्थियों की आयु के साथ आवेदन क्रमांक भी समान हो।

एनटीए स्कोर में टाइ लगने के बाद एआईआर निर्धारण के मापदण्ड:-अमित आहूजा ने बताया कि इस वर्ष पहली बार विद्यार्थियों के हायर एनटीए स्कोर में टाइ लगने पर रैंक के निर्धारण के लिए 9 मापदण्ड निर्धारित किए गए हैं, जिसमें यदि दो विद्यार्थियों के टोटल एनटीए स्कोर समान आते हैं तो ऑल इंडिया रैंक निर्धारण में सर्वप्रथम मैथेमेटिक्स का एनटीए स्कोर देखा जाएगा। यह समान होने पर फिजिक्स, इसके बाद कैमेस्ट्री का एनटीए स्कोर, फिर सही और गलत उत्तरों की संख्या का अनुपात देखा जाएगा। इस स्थिति में टाई लगने पर विषयवार मैथेमेटिक्स के सही व गलत उत्तरों की संख्या का अनुपात, यहां भी टाई लगने पर फिजिक्स के सही और गलत उत्तरों की संख्या का अनुपात, उसमें टाई लगने पर कैमेस्ट्री के सही एवं गलत उत्तरों की संख्या का अनुपात देखा जाएगा। उपरोक्त सभी मापदण्डों में भी टाई लगने की स्थिति में जिस विद्यार्थी की आयु ज्यादा होगी, उसे ऑल इंडिया रैंक में प्राथमिकता दी जाएगी। आयु के मापदण्ड के स्तर पर ही भी यदि टाई की स्थिति बनती है आवेदन क्रमांक के आरोही क्रम को प्राथमिकता दी जाएगी।

जेईई-एडवांस्ड की आवेदन प्रक्रिया 7 अगस्त से:- आहूजा ने बताया कि इस वर्ष आईआईटी बॉम्बे द्वारा 28 अगस्त को जेईई-एडवांस्ड परीक्षा आयोजित की जा रही है। जेईई-मेन के आधार पर चुने हुए शीर्ष ढाई लाख विद्यार्थी एडवांस्ड परीक्षा के लिए पात्र घोषित किए जाएंगे। ये विद्यार्थी जेईई-एडवांस्ड वेबसाइट पर एडवांस्ड के लिए 7 से 11 अगस्त के मध्य आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के दौरान विद्यार्थियों को अपनी आवश्यक जानकारी एवं परीक्षा केन्द्र भरकर दसवीं व 12वीं की अंकतालिका सर्टिफिकेट एवं कैटेगिरी सर्टिफिकेट अपलोड करने हैं। विद्यार्थियों को आवेदन के दौरान 8 परीक्षा केन्द्र चुनने का अवसर दिया गया। आवेदन के दौरान विद्यार्थियों को ओबीसी एवं ईडब्लयूएस का प्रमाण पत्र 1 अप्रेल 2022 के बाद का देना होगा। ऐसे विद्यार्थी जिनके पास ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र दिए गए समय का उपलब्ध नहीं है तो वे डिक्लेरेशन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। डिक्लेरेशन का प्रारूम जेईई-एडवांस्ड के इनफोर्मेशन बुलेटिन से डाउनलोड किया जा सकता है। एडवांस्ड परीक्षा का परिणाम 11 सितम्बर को जारी किया जाएगा।

पुण्यतिथि पर पौधारोपण एवं भंडारा किया

कोटा, (निसं)। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल की धर्मपत्नी स्व. कोमल धारीवाल की पुण्यतिथि पर टीम धारीवाल की ओर से खाड़ी बावड़ी काला तालाब के.डी मैरिज गार्डन पर आम भंडारा किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव ओर पार्षद साजिश खान लाला के द्वारा पौधारोपण एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने परसादी प्राप्ति की। पौधारोपण एवं आम भंडारे मैं मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता अमित धारीवाल और विशिष्ट अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य जफर मोहम्मद, प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व सचिव शिवकांत नंदवाना, जिला कांग्रेस महामंत्री विपिन बरथुनिया, महापौर मंजू मेहरा, उपमहापौर सोनू कुरेशी, रहे। आम भंडारे में सबसे पहले पौधारोपण किया उसके बाद कोमल धारीवाल की तस्वीर पर पुष्पांजलि की गई उसके उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। विशाल भंडारे में मुख्य रूप से दीपक शर्मा सेवादल प्रदेश सचिव अमित सूद, प्रदीप सुमन अजय नागर पार्षद रचना शर्मा बद्री पटेल बशीर हुकम चंद बेरवा हिना आसिफ खान यूनुस खान विष्णु मेवाड़ा हमिद गौड़, गुंजन एवं शरीफ मुस्ताक हकीम राजकुमार बंसल बजरंग लाल आदि उपस्थित रहे।

सार-समाचार

गढ़ पार्क में पौधारोपण किया

झालावाड़ (निसं)। गढ़ पार्क सेवा समिति के अध्यक्ष रईस पठान के नेतृत्व में गढ पार्क में पौधारोपण किया गया जिसमें कई प्रकार के पौधे लगाए गए इस कार्य में सहयोग देने वाले गढ पार्क सेवा समिति के पदाधिकारीगण व सदस्यगण एवं प्रात: काल पर भ्रमण करने वाले सदस्यों ने वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण करने वालों में आर्यन सिंह, भूपेंद्र अग्रवाल, अरुण सक्सेना, भूपेंद्र मेहरा, घनश्याम राठौर, कौशल्या कोठारी, गायत्री सोनी, कला राठौड़, महेश कुमार शर्मा, कैलाश काशवानी, भगवान, कैलाश बाई मेहरा, पवन सोनी, प्रदीप सोनी, नरेन्द्र खत्री, दीपक कोठारी, सोनल खंडेलवाल, विकास खंडेलवाल, भोला, कपिल परतानी आदि ने पौधारोपण किया।

लहरिया उत्सव कार्यक्रम आयोजित

कोटा, (निसं)। आदि गौड़ महिला मंडल कोटा महानगर की ओर से गोडेश्वर हनुमान मंदिर जवाहर नगर में लहरिया उत्सव का आयोजन किया गया इसमें मुख्य अतिथि प्रेमलता शर्मा व्याख्याता रही कार्यक्रम में लहरिया क्वीन अर्चना एवं द्वितीय अर्चना रामपुरा रही, सावन गीत प्रतियोगिता में अर्चना शर्मा प्रथम और द्वितीय कमलेश गौड़ रही, उत्सव में रंग बिरंगे लहरिया, सोलह श्रृंगार से सजी धजी महिलाओं के उत्साह से कार्यक्रम में चार चांद लग गए, युगल नित्य में अर्चना शर्मा- रीनू शर्मा प्रथम रही और सीमा शर्मा और तनु शर्म सेकंड रही। सभी विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया इस उत्सव में समाज की उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने वाली बेटियों को भी पोधे देकर सम्मानित किया गया। 1 लावण्या-जूडो कराटे 2 इशिता भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा छात्रवृति प्राप्त 3 नंदिनी कथक नृत्य में विषारद। कार्यक्रम का संचालन शिवा व्यास द्वारा किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता उमा शर्मा द्वारा की गई प्रमिला शर्मा, सपना गौड़, मधु शर्मा, कमलेश गौड़, अर्चना, अरुणा त्रिपति, मंजुलता, कलावती , रीनू शर्मा, अर्चना शर्मा, अर्चना शर्मा रामपुरा, ज्योति शर्मा, उपासना, चंदा शर्मा, सुमन शर्मा, सीमा शर्मा, इशिता शर्मा, लावण्या शर्मा, मिशिका मिश्रा, प्रख्या मिश्रा, बिना आदि महिलाए उपस्थित रही।

नेत्रदान संपन्न

कोटा, (निसं)। सिख धर्म में मानव सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य का कार्य बताया गया है, यदि अपनी जान देकर भी किसी की जान बचायी जा सकें,तो ईश्वर की नज़र में इससे पुनीत कार्य अन्य कोई नहीं है। कल रात विज्ञान नगर निवासी निर्मल अरोड़ा (65वर्ष) पत्नि सुरेंद्र अरोड़ा का शहर के निजी अस्पताल में आकस्मिक निधन हो गया। शोक की खबर सुनते ही दोनों बेटियां अमीषा, टीना और बहू स्वाति का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बेटे चिराग ने तुरंत ही परिवार के सभी सदस्यों को संभालते हुए मां के नेत्रदान करवाने के लिए शाइन इंडिया फाउंडेशन के डॉ कुलवंत गौड़ को संपर्क किया। चिराग 50 से अधिक बार अपना रक्त और प्लाज्मा दान कर चुके हैं, परिवार सहित अपना नेत्रदान संकल्प पत्र भी भर चुके हैं । इस कारण से नेत्रदान की महिमा अच्छे से समझते हैं। देर रात 11.00 बजे निर्मल जी के नेत्रदान की प्रक्रिया संस्था व ईबीएसआर कोटा चैप्टर के सहयोग से संपन्न हुई । नैत्रदान प्रक्रिया के उपरांत चिराग ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि, माँ के चले जाने के बाद सिर्फ नेत्रदान ही ऐसा जरिया था, जिससे हम हमारी माँ को पुनः जीवित रख सकते थे, इसलिए तुरंत ही हमने नेत्रदान का निर्णय लिया।

आज एवं अवकाश के दिन भी डाकघर खुलेंगे

कोटा, (निसं)। सम्पूर्ण भारत वर्ष मे इस वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 13 अगस्त 2022 से 15 अगस्त 2022 तक भारत सरकार द्वारा "हर घर तिरंगा अभियान" की शुरुआत की गयी हैं। इस अभियान मे डाकघरों मे तिरंगा झण्डा बिक्री हेतु उपलब्ध हैं। प्रवर अधीक्षक डाकघर कनवाड़िया ने बताया कि कोटा मण्डल मे 60000 तिरंगा झंडो का स्टॉक प्राप्त हुआ है और अब स्वतन्त्रता दिवस-2022 के पूर्व आने वाले अवकाश 07, 09, एवं 14 अगस्त 2022 को भी कोटा मण्डल के वितरण डाकघर खुले रहेंगे तिरंगा झण्डा कि बिक्री हेतु विशेष काउंटर की व्यवस्था की गयी हैं। आमजन अवकाश के दिन भी तिरंगा झण्डा खरीद सकेंगे। लोगों मे हर घर तिरंगा अभियान को लेखर काफी उत्साह है और लोग डाकघरों मे आकर झण्डा खरीद रहे हैं। मण्डल के कोटा, बारां एवं झालावाड़ जिले के 629 डाकघरों मे तिरंगा झण्डा बिक्री हेतु उपलब्ध हैं। प्रवर अधीक्षक डाकघर कनवाड़िया ने सभी आमजन से डाकघरों से तिरंगा झण्डा खरीदकर प्रधानमानती के हर घर तिरंगा अभियान मे शामिल होने की अपील की हैं।

'कुछ पल अतीत के संग' कार्यक्रम

कोटा, (निसं)। भारत विकास परिषद सुभाष शाखा द्वारा संस्कृति सप्ताह के अंतर्गत 'कुछ पल अतीत के संग' कार्यक्रम का आयोजन राजकीय वृद्धाश्रम विवेकानंद नगर में किया गया। जिसके अंतर्गत वहां आश्रित वृद्धजनों को अपने हाथों से भोजन कराया गया, साथ ही समस्त वृद्धजनों का श्रीफल एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। अभिनंदन एवं सत्कार के इस अवसर पर समस्त आश्रित वृद्धजनों द्वारा भजन गायें गऐं एवं सभी वृद्धजनों ने अपने अपने अतीत से जुड़े हुए किस्से कहानियां एवं अपना दर्द सभी शाखा सदस्यों के सामने रखा। चूंकि भारत विकास परिषद सुभाष शाखा हमेशा से इस तरह के कार्यक्रम करती आई है और हमेशा वृद्धजनों की सेवा में तत्पर रहती है इसलिए सभी वृद्धजनों ने समाज में बढ़ती इस वृद्धाश्रम महामारी को समय रहते काबू में करने हेतु आग्रह किया एवं इस हेतु सभी में जागरूकता एवं अपने माता पिता के प्रति श्रद्धा एवं आदर उत्पन्न हो इस हेतु कार्य करने के लिए आग्रह किया कार्यक्रम में शाखा सदस्यों के द्वारा भी कहानियां एवं भजन सुनाए गए।

महाविद्यालय में दस्तावेज की प्रक्रिया शुरू

कोटा, (निसं)। छात्रसंघ चुनाव के आगाज पर छात्र नेता महाविद्यालयों में पुरजोर तरह से नए छात्रों की मदद में लग चुके हैं। इधर महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के प्रवेश की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है, राजकीय महाविद्यालय कोटा में छात्रसंघ प्रतिनिधि ललित नागर और उनकी टीम के सभी सदस्य दस्तावेज सत्यापन करने में छात्रों की मदद में लग चुके हैं। पहला दिन होने के कारण महाविद्यालय में छात्रों की जोरदार भीड़ रही। नागर ने बताया कि छात्रसंघ चुनाव बहुत जल्द आ चुके हैं ना अभी तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हुई और ना ही अभी तक परिणाम जारी हुआ, इसलिए अभी छात्र नेताओं में असमंजस की स्थिति है। इस दौरान छात्र नेता अक्षय, अजय प्रताप, हिमांशु, नितिन, रोहन, रोहित, त्रिलोक, आदि मौजूद रहे।

अहिंसा यात्रा एवं सर्वधर्म प्रार्थना सभा कल

कोटा, (निसं)। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रंखला में भारत छोड़ों आन्दोलन की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शांति एवं अहिंसा निदेशालय जयपुर के तत्वाधान में 8 अगस्त को सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं अहिंसा यात्रा का आयोजन किया जायेगा।जिला परिषद सीईओ ममता तिवाड़ी ने बताया कि 8 अगस्त को गांधी चौक रामपुरा स्थित गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यापर्ण एवं अहिंसा यात्रा का शुभारम्भ प्रात: 7.30 बजे से होगा। उन्होंने बताया कि अहिंसा यात्रा गांधी चौक से किशोरसागर की पाल होकर बारहदरी पहुंचेगी जहां प्रात: 8 बजे सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी विभागों के अधिकारियों को आमंत्रित किया है तथा आम नागरिकों से आव्हान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर आजादी के अमृत महोत्सव में भागीदार बने।

जिला प्रभारी मंत्री आज कोटा में

कोटा, (निसं)। चिकित्सा, आबकारी विभाग मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री परसादी लाल मीना दो दिवसीय दौरे पर 7 अगस्त को कोटा आयेंगे। जिला कलक्टर ओपी बुनकर ने बताया कि जिला प्रभारी मंत्री 7 अगस्त को दौसा लालसोट से चलकर रात्रि 8 बजे कोटा पहुंचेगे तथा सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रभारी मंत्री 8 अगस्त को प्रात: 8 बजे 10 बजे सर्किट हाउस में जनसुनवाई करेंगे तथा दोपहर 3 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रभारी मंत्री के रूप में अधिकारियों की बेठक लेकर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे, सांय 6 बजे कोटा से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

सार-समाचार

वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

कोटा, (निसं)। रानुपर स्थित बाल कृष्ण इंजनियरिंग कॉलेज में आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के अमृत महोत्सव के अवसर पर वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। संस्था के प्राचार्य डॉ. धीरज निमावत ने बताया कि पर्यावरण की सरंक्षण हमारी परम्परा है। आधुनिक काल में हमें प्रकृति को वापस हरा -भरा करने का संकल्प लेना होगा, इसमें सभी को अपना योगदान देने की आवष्यकता है, और इसके लिए बाल कृष्णा इस्टिट्यूट आफॅ टेक्नोलोजी कॉलेज सदैव वचनबद्व है। इसी कड़ी को अग्रसर करते हुए कॉलेज मे वृक्षारोंपण कार्यक्रम का आयोजन किया है। नीम, शीषम, आम, आम, अशोक, बील-पत्र, बोटल-पाम आदि के पौधे रोप गये। संस्था के निदेशक कैलाश व्यास ने बताया कि हमारा कॉलेज लगातार पिछले 10 वर्षो से वृक्षारोपण एंव उनकी देखभाल का कार्य कर रहा है। और उसी का परिणाम है कि हमारा कॉलेज पूर्ण रूप से हरा-भरा है। संस्था के प्राचार्य डॉ. धीरज निमावत ने बताया कि इस अवसर पर संस्था निदेषक कैलाष व्यास, विद्युत विभागाध्यक्ष विनोद सेनी, सिविल विभागाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह, ऑटोमोबाईल विभागाध्यक्ष यशवंत, यांत्रिकी विभागाध्यक्ष सुरजसिंह, कम्प्यूटर विभागाध्यक्ष आकाश सोनी, राजकुमार विजय, सुरेश राठोर, हनुमान गुर्जर, प्रहलाद गुर्जर, तेजराजसिंह आदि ने अपना योगदान दिया।

पुनर्वास की लॉटरी निकाली

कोटा, (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर जहां कोटा में विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं वहीं दूसरी ओर विकास के साथ पुनर्वास को भी प्राथमिकता देते हुए प्रभावित लोगों को पुनर्वासित कर बड़ी राहत दी जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को मुकुंदरा विहार स्पेशल आवासीय योजना के तहत क्षेत्र से हटाएं गए 134 अतिक्रमित मकानों के लोगों के पुनर्वास के लिए भूखंडों की लॉटरी न्यास कार्यालय में निकाली गई। न्यास उपसचिव चंदन दुबे ने बताया कि मुकुंदरा विहार स्पेशल आवासीय योजना तहत प्रभावित मकानों को हटाने के बाद उन सभी परिवारों को उसी क्षेत्र में शेष बचे भूखंडों में पुनर्वासित किया जा रहा है। लॉटरी प्रक्रिया से सभी को भूखंड संख्या आवंटित की गई है। पुनर्वास के लिए भूखंड आवंटन होने पर आवंटी भी खासे उत्साहित दिखे। न्यास अधिकारियों द्वारा सभागार में मौजूद लोगों से भी लॉटरी पर्ची निकलवाई गई। भूखंड आवंटित होते ही परिवारों के चेहरे खिल उठे उन्होंने सरकार का आभार जताया और कहा अब भूखंड पर वो अपना आशियाने का निर्माण कर सकेंगे। लॉटरी प्रक्रिया के दौरान मुख्य लेखाधिकारी टीपी मीणा पुलिस उपाधीक्षक आशीष भार्गव सहित न्यास अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्र के आवंटी मौजूद रहे।

मिठाई पाकर जरुरतमंदों के चेहरे खिले

कोटा, (निसं)। सिन्धी सभ्यता मण्डल द्वारा अशोका कॉलोनी स्थित नारीशाला में असहाय एवं जरूरतमंद परिवारों को एक माह की राशन सामग्री का वितरण किया गया। महासचिव प्रकाश वीर नाथानी, ने बताया 140 जरूरतमंद महिलाओं को जीवनयापन की आवश्यक सामग्री के साथ राखी के त्यौहार पर रक्षासूत्र, श्रीफल एवं मिठाई भी वितरित की गई। अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खूबंचदानी ने बताया "हर घर तिरंगा" अभियान के तहत सभी महिलाओं को तिरंगा वितरित किया गया। गरीब सहायक सौसायटी अध्यक्ष पवन खूबचन्दानी ने बताया कार्यक्रम के मुख्य अतिथी के.टी.पी.एस. के मुख्य अभियन्ता विजय गोलानी रहे एवं अध्यक्षता संरक्षक लधाराम ग्वालानी एवं अर्जुन जयसिंघानी ने की उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम छाबड़िया ने बताया संस्था को सहयोग करने वाले भामाशाहों, दानदाताओं एवं सेवादारियों नरेश भोजवानी, गोविन्द माखिजा, मुकेश ओचानी, रमेश वाधवानी, विजय नेभनानी, धनराज अड़वानी, भारत वाधवानी को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। राशन सामग्री आटा, चावल, दाल, घी, तेल, शक्कर, साबुन, पोहे, बिस्कुट, चाय एवं अन्य दैनिक जीवन की आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

भागवत कथा की पूर्णाहुति हुई

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा में मंशापूर्ण बालाजी धाम पर चल रही संगीत में श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन हवन भंडारे के साथ भागवत कथा का समापन हुआ। जिसमें ओमप्रकाश गालव ने सह-पत्नी सहित यज्ञ में आहूतियां दी और अमन चैन की प्रार्थना की। शुक्रवार को कथावाचक पंडित मुकुट बिहारी शास्त्री ने कहा कि जहां वन संरक्षण गौ-संवर्धन होता है वहां प्रकृति हमेशा प्रसन्न रहती है। गाय हमारी मां है जिस घर में गौमाता होती है उस घर में वास्तु दोष नहीं होता भागवत कथा पितरों का कल्याण करती है। जहां श्रीमद्भागवत कथा का वाचन होता है। वहां का वातावरण भक्ति में हो जाता है। यह कथा जीवन को जीना सिखाती है और मानव से मानव को प्रेम करना सिखाती है 'अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो दर पर सुदामा गरीब आ गया है' भजनों पर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर नाचे। भागवत कथा के समापन के अवसर पर श्रद्धालुओं ने व्यास पूजन किया। महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। महिला मंडल ने सार्वजनिक रूप से आयोजन रखा जिसका भंडारे के साथ समापन हुआ।

रक्तदान शिविर आज

बूंदी (निसं)। नवयुवक मंडल मेहराना के तत्वाधान में रक्तदान जीवनदान टीम मेहराना बूंदी द्वारा स्व. गिरिराज सैन की याद में 7 अगस्त रविवार को गांव मेहराना में लालबाई माताजी मंदिर परिसर मे सुबह 9 से शाम 5 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। चिंटू कुमार, धनराज सुमन, लक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर, जितेंद्र सुमन, रघुवीर मीणा ने बताया कि गिरिराज सेन परिवार का इकलौता बेटा था जिसकी याद में ब्लड बैंक में हो रही ब्लड की कमी को पूरा करने के लिए गांव मेहराना में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आप सभी रक्तवीर अधिक से अधिक संख्या में पधार कर इमरजेंसी मरीजों के लिए जरूर रक्तदान करें ताकि आपके रक्तदान से किसी के परिवार के मरीज की जान बच सके। रक्तदान करने के लिए 7568857011, 8949464038, 9829452600, 6377631819, 9079238269 मोबाइल नंबर पर सम्पर्क करें।

गणेश महोत्सव के आयोजन की बैठक आज

बून्दी (निसं)। गणेश महोत्सव 2022 को लेकर रविवार को दोपहर एक बजे देवपुरा स्थित ग्रीन वैली रिसोर्ट में बैठक का आयोजन किया गया है। महोत्सव समिति अध्यक्ष और पूर्व सभापति महावीर मोदी ने बताया कि पिछले 2 वर्ष से कोरोना काल के कारण गणेश महोत्सव नहीं मनाया गया। आगामी दिनों में आने वाले महोत्सव को भव्य था देने के लिए समिति के पदाधिकारियों सदस्यों और आमजन से चर्चा कर महोत्सव मनाने के लिए बैठक का आयोजन किया जा रहा है ताकि महोत्सव को भव्यता प्रदान की जा सके।

सनाढ्य ब्राह्मण सभा समिति महिला मंडल सावन महोत्सव में बालिकाएं थिरकी

■ व्यंजन एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ

कोटा, (निसं)। सनाढ्य ब्राह्मण सभा समिति महावीर नगर महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में सनाढ्य सामुदायिक भवन महावीर नगर प्रथम में सावन महोत्सव 2022 का आयोजन शनिवार को आयोजित किया गया जिसमें समाज की बालिकाओं ने शानदार नृत्य प्रस्तुति से उपस्थित समाजबंधुओं का मन मोह लिया। वहीं व्यंजन एवं मेहंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ।

सावन महोत्सव कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पिंकी क्रांति तिवारी, प्रमिला टंकारिया, न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसायटी अध्यक्ष अंजू शर्मा रही। सनाढ्य ब्राह्मण सभा समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश टंकारिया एवं महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष अर्चना शर्मा ने बताया कि सावन महोत्सव के तहत शनिवार को 1 बजे से मीठे गुड़ और बेसन से बने व्यंजनो की प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया।

वही मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन तथा नृत्य एवं गीत प्रतियोगिता का आयोजन प्रथम ग्रुप में 3 वर्ष से 10 वर्ष तक तथा द्वितीय में 10 वर्ष से 18 वर्ष तक की बालक बालिकाओं के नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया जिसमें समाजबंधुओं की बालिकाओं ने एक से बढ़कर प्रस्तुति दी और समाज बंधुओं का मन मोहा, नन्ने नन्ने कदमों से थिरकती बालिकाओं ने विभिन्न गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति दी' नहीं तो है। शर्मा ने बताया कि 7 अगस्त रविवार को प्रात: 11.00 बजे से लड्डू गोपाल श्रृंगार प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया वही नृत्य एवं गीत प्रतियोगिता आयु 19 से 35 वर्ष तथा 35 वर्ष से ऊपर की आयु की दो ग्रुप में रखी गई हैं, इसी प्रकार हरियाली तीज प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है जिसमें भी 2 आयु वर्ग 19 से 35 तथा 35 से ऊपर की आयु वर्ग की सनाढ्य महिलाओं की प्रतियोगिता रखी गई है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को सनाढ्य ब्राह्मण सभा समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश टंकारिया के द्वारा प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया।

सावन महोत्सव के लिए सनाढ्य ब्राह्मण सभा समिति महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष अर्चना शर्मा के साथ संरक्षक कृष्णा शर्मा, भगवती शर्मा, प्रिया शर्मा, महामंत्री अंजना शर्मा तथा कोषाध्यक्ष हेमलता शर्मा समेत महिला मंडल की टीम ने सावन महोत्सव के प्रथम दिन को को यादगार बनाया। रविवार को विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे मंच संचालन अंजना शर्मा एवं प्रीति शर्मा ने किया।

इस अवसर पर सनाढ्य ब्राह्मण सभा समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश टंकारिया संरक्षक राजेंद्र शर्मा महामंत्री पुरुषोत्तम शर्मा महिला मंडल की सदस्य हेमा शर्मा रीना शर्मा लता सनाढ्य प्रीति शर्मा ममता व्यास अनीता शर्मा राधा दीक्षित तेजमल शर्मा रमेश चंद शर्मा रामस्वरूप शर्मा हरिओम सनाढ्य गजेंद्र जोशी उमाकांत शर्मा, समेत समाज के प्रमुख तथा महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रहे।

गोरक्षा शर्मा ने गुड के मखाने, बेसन के पेड़े, खुशबू शर्मा ने सुकड़ी मिठाई, अंजना शर्मा ने गुड़ के घेवर गुजराती ढोकले और नमकीन, प्रियंका शर्मा ने आटे एवं गुड़ केक का केक और बेसन आलू के कटलेट, राधा दीक्षित ने खमण ढोकला बेसन के लड्डू। नृत्य प्रतियोगिता निर्णायक गोपीका शर्मा सुषमा शर्मा निर्देशिका स्वरांजलि नृत्य कला केंद्र इंदिरा विहार रही वही मेहंदी प्रतियोगिता में कृष्णा शर्मा और भगवती शर्मा रही, व्यंजन प्रतियोगिता में निर्णायक नेहा एवं रक्षा रहे।

शिलान्यास समारोह आयोजित

कोटा, (निसं)। परकोटा क्षेत्र को यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने एक और बड़ी सौगात दी हैं। श्रीपुरा स्थित विकास भवन में नगर विकास न्यास की ओर से 3 करोड़ की लागत से 250 दुपहिया वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग का निर्माण कार्य का शुक्रवार शिलान्यास समारोह आयोजित हुआ। क्षेत्र के व्यापारियों की बरसों पुरानी मांग पूरी होने पर पार्किंग के शिलान्यास कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता अमित धारीवाल ने शामिल हुए और विधिवत पूजा अर्चना कर शिलान्यास किया। शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचते ही क्षेत्र के व्यापार संगठनों के पदाधिकारियों ने कांग्रेस नेता अमित धारीवाल का स्वागत किया। शिलान्यास समारोह के दौरान अमित धारीवाल ने कहा कि यह पार्किंग स्थल ना सिर्फ क्षेत्र के व्यापारियों के लिए बड़ी राहत देगा बल्कि कोटा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से इंदिरा मार्केट चौथमाता बाजार, श्रीपुरा बाजार सहित अन्य दुकानों पर खरीदारी करने आने वाले शहरवासियों के लिए भी वाहन पार्किंग की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

'समस्त औद्योगिक क्षेत्र एवं माइनिंग क्षेत्र में भी वैक्सीनेशन शिविर लगाए जाएंगे'

कोटा, (निसं)। दी एसएसआई एसोसिएशन के तत्वावधान में शिव एडिबल परिसर रानपुर में वैक्सीनेशन कैम्प लगाया गया। दी एसएसआई एसोसिएशन के अध्यक्ष जम्बु कुमार जैन सचिव मनीष माहेश्वरी, निर्वाचित अध्यक्ष राजकुमार जैन ने बताया कि इस कैम्प मे 571 उद्यमियों, स्टॉफ, कर्मचारियों, एवं श्रमिकों एवं उनके परिवारजन को 18 से 44 वर्ष वालों को पहली डोज एवं 45 वर्ष से ऊपर के लोगों को पहली एवं दूसरी डोज लगवाई गई।

जिसमें ज्यादातर स्टाफ कर्मचारियों के परिवारों एवं श्रमिकों के परिवारों को लगाई गई। इस अवसर पर कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव एवं दी एसएसआई एसोसिएशन के मुख्य सलाहकार अशोक माहेश्वरी एवं एवं पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र कुमार जैन, अनिल मूंदड़ा वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक मेहता सचिव मनोज मालू एवं शिव एडिबल के निदेशक बजरंग लाल साहू कोटा फ्रेश के निदेशक संदीप साहू ने कैम्प को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग दिया। सभी पदाधिकारियों ने इस अवसर पर एक बैठक का आयोजन किया। बैठक में मुख्य सलाहकार अशोक माहेश्वरी ने कहा कि हमारे सैकड़ों स्टाफ एवं श्रमिकों के परिवार ओघोगिक क्षेत्रो में जो संयुक्त रूप से निवास करते हैं एवं कार्य करते है।

उनके हितों को देखते हुए कोटा के सभी औद्योगिक क्षेत्रों में वैक्सीनेशन कैंप लगवाए जाए एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अनिल मूंदड़ा एवं देवेंद्र कुमार जैन व सचिव मनोज मालू ने कहा कि एसोसिएशन द्वारा माइनिंग क्षेत्रों में कार्यरत लाखों की तादाद में कार्यरत श्रमिकों के लिए भी कैंप लगाए जाएंगे। क्योंकि दूसरी लहर का प्रकोप इन क्षेत्रो में भी रहा है यह सभी क्षेत्र कोटा से जुड़े हुए हैं। बैठक में शिव एडिबल के निदेशक बजरंग लाल साहू एवं कोटा फ्रेश के निदेशक संदीप साहू, दी एसएसआई एसोसिएशन के निर्वाचित अध्यक्ष राजकुमार जैन ने कहा कि कैंप का प्रचार एवं प्रसार पूरे रानपुर औद्योगिक क्षेत्र में किया गया जिसके चलते भारी मात्रा में लोगों ने वैक्सीन लगवाई सभी उद्यमियों ने अपने यहां कार्यरत स्टॉफ एवं कर्मचारियों को वैक्सीन के लिए प्रेरित किया आमजन भी कोरोना से बचाव के लिए वेक्सीन लगवाने के लिए आगे आ रहे हैं एवं जन-जागृति हो रही है। दी एसएसआई एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष गोविंदराम मित्तल, मुख्य सलाहकार अशोक माहेश्वरी, अध्यक्ष जम्बु कुमार जैन सचिव मनीष माहेश्वरी ने बताया कि कोटा के समस्त औद्योगिक क्षेत्रों में वैक्सीनेशन कैंप लगाकर समस्त उद्यमियों स्टाफ श्रमिकों की वैक्सीन लगवाने के लिए एसोसियेसन द्वारा सतत प्रयास होंगे जिससे कोरोना की तीसरी लहर से बचा जा सकें। इस अवसर पर कोटा व्यापार महासघं के महासचिव अशोक माहेश्वरी ने सभी व्यापारियों उद्यमियों से आग्रह किया है कि डेल्टा वेरिएंट जो 85 देशों में फैल चुका है भारत में भी पैर पसार चुका है अब इस महामारी से वैक्सीन लगवा कर ही बचाया जा सकता हैं।

किसी भी क्लासिकल डांस को जीने के लिए मेहनत जरूरी : सेउजप्रिया

■ एलबीएस स्कूल में स्पिक मैके के तहत सेउजप्रिया बोलठाकुर ने प्रस्तुति दी

कोटा के एलबीएस स्कूल में स्पिक मैके का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कोटा, (निसं)। एलबीएस स्कूल में स्पिक मैके के तहत सेउजप्रिया बोलठाकुर ने नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। सेउजप्रिया एक मंझी हुई नृत्यांगना है जो फुल टाइम नृत्यांगना होने के साथ ही स्टेज आर्टिस्ट भी हैं, ये लगभग 25 वर्षो से इस विरासत को संभाले हुए है। एलबीएस स्कूल में विद्यार्थियों को डांस से रूबरू कराने एवं उन्हें डांस सिखाने के उद्देश्य से यह डांस की प्रस्तुति दी गई।

कोटा में पहली बार बच्चों को सत्या डांस सिखाने के उद्देश्य से वे यहां आई है। असम के गुवाहाटी से संबंधित नृत्यांगना सेउजप्रिया बोलठाकुर उस्ताद बिस्मिल्ला खान संगीत युवा पुरस्कार संगीत नाटक अकादमी से 2015 राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित भी हो चुकी है। साथ ही ये सीसीआरटी से कनेक्ट भी है। नृत्यांगना सेउजप्रिया ने कहा कि किसी भी क्लासिकल डांस को जीने के लिए मेहनत जरूरी है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों में पूजा की तरह भक्ति भाव से मंदिरों एवं स्टेज पर आर्टिस्ट की तरह नृत्य पेश किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि 3-4 हजार छात्रों डांस के बारे में बताया इनमें से 2 भी सीख लें तो बहुत बडी बात है। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन कुलदीप माथुर ने कहा कि डांस वही सीख सकता है जिसके मन में धैर्य है। इस नृत्य के माध्यम से विद्यार्थियों ने अनुभव लिया, जो उनके भविष्य में काम आएगा। उन्होंने भारत की विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए स्पिक मैके की सराहना की।

एसएमएस अस्पताल से अपहृत मासूम दिव्यांश सकुशल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

आरोपी हेमेन्द्र के घर में 4 बेटियां थी, बेटे की चाहत में उसने 1 माह तक रैकी के बाद 4 महीने के दिव्यांश को चुराया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल के बांगड़ यूनिट से चोरी किए गए 4 महीने के मासूम बच्चे को जयपुर पुलिस ने सकुशल दस्तयाब कर लिया है। 3 दिन बाद पुलिस ने बच्चे को शिप्रा पथ इलाके के रीको इंडस्ट्रियल एरिया की पवन विहार कॉलोनी से दस्तयाब किया है। बच्चे को किडनैप करने वाले आरोपी राजू उर्फ हेमेंद्र निवासी नदबई (भरतपुर) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हेमेंद्र के घर में 4 बेटियां थी, और बेटा नहीं था। ऐसे में बेटे की चाहत में हेमेंद्र ने करीब 1 महीने तक रैकी करने के बाद 4 महीने के दिव्यांश को सवाई मानसिंह अस्पताल से चुरा लिया।

पुलिस ने मासूम के अपहर्ता हेमेन्द्र को गिरफ्तार कर बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

- महेश नगर थाने के कांस्टेबल भीम सिंह ने मुखबिर की मदद से दिव्यांश का पता लगाया, सूचना पुख्ता होते ही आरोपी को दबोच लिया
- 6 माह से बच्चे के अपहरण की योजना बना रहा था आरोपी, सिंधी कैंप बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर भी कोशिश की, लेकिन सफल न हो सका
- पुलिस इस पूरे प्रकरण में आरोपी हेमेंद्र के परिवार की भूमिका भी जांच रही है, ऐसे में बाकी लोगों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अजयपाल लाम्बा ने बताया कि आरोपी ने वारदात को अंजाम को अंजाम देने के लिए कई दिन तक दिव्यांश के परिजनों की मदद की और उन्हें विश्वास में लिया। चार दिन पहले बांगड़ अस्पताल में मौका देख कर वह बच्चे का किडनैप कर फरार हो गया। 3 दिन तक आरोपी ने इस बच्चे को अपने घर पर छुपाए रखा। अचानक से महेश नगर थाने के कांस्टेबल भीम सिंह को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जयपुर शहर के अस्पताल से गायब हुआ 4 महीने का मासूम दिव्यांश शिप्रापथ के रीको इंडस्ट्रियल एरिया के पवन विहार कॉलोनी में एक मकान में देखा गया है। सूचना पर कांस्टेबल भीम सिंह खुद अकेला कॉलोनी में पहुंचा और आरोपी के बारे में सूचना जुटाना शुरू कर दिया। सूचना पुख्ता हो जाने के बाद कांस्टेबल भीम सिंह ने महेश नगर थाने की मदद से आरोपी को बच्चे के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। जब वह आरोपी के घर पर पहुंचा तो बच्चा सकुशल उसके परिजनों की गोद में खेल रहा था।

पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी राजू उर्फ हेमेंद्र पिछले 6 महीने से अपने लिए एक बच्चे की किडनैपिंग करने की योजना बना रहा था। उसे बच्चे की चाहत थी। ऐसे में सिंधी कैंप, रेलवे स्टेशन पर भी आरोपी ने बच्चा किडनैप करने की योजना भी बनाई थी। लेकिन इस योजना में आरोपी फेल हो गया। मौका देख कर आरोपी सवाई मानसिंह अस्पताल से ये बच्चा चोरी करने में कामयाब हो गया। हालांकि इस पूरे प्रकरण में हेमेंद्र के परिवार की भूमिका को लेकर भी पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। किडनैपिंग के इस प्रकरण में परिवार की भूमिका पाए जाने पर अन्य लोगों को भी पुलिस गिरफ्तार कर सकती है। पुलिस ने बच्चे को सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। उधर बच्चे के मिलने की सूचना मिलने पर परिवार दौसा से जयपुर पहुंचा। बच्चे के दादा कालू, दादी सहित अन्य परिवारजन कमिश्नरेट पहुंचे। पुलिस ने बच्चे को परिवार को सुपूर्द कर दिया। जिसके बाद परिवार खुश नजर आया। बच्चे को पाकर परिजनों की आंखें खुशी से भीग गई।

एडि. कमिश्नर (फर्स्ट) अजय पाल लाम्बा ने बताया कि आरोपी हेमेंद्र उर्फ राजू (29) मूलत: नदबई, भरतपुर का रहने वाला है। वह मानसरोवर इलाके में किराए से रहकर दिहाड़ी मजदूरी के लिए रोज मानसरोवर वीटी रोड चौराहे पर जाता था। पिछले चार दिन से वह चौराहे पर नहीं आ रहा था। बच्चा चोरी करने के बाद वह किसी से मिल भी नहीं रहा था।

हॉस्पिटल से बच्चा चोरी के बाद आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ। तलाश के लिए आमजन को बच्चा चोर का हुलिया जारी किया गया। हुलिए के आधार पर पुलिस को आरोपी राजू के बारे में पता चला। पुलिस ने शनिवार सुबह राजू के मोबाइल नंबर वीटी रोड चौराहे पर खड़े होने वाले उसके साथियों से लिया था। कॉन्टैक्ट करने पर राजू ने खुद को गांव में होने की जानकारी दी। पुलिस ने लोकेशन निकलवाई तो वह जयपुर की आई। राजू के घर पुलिस ने शनिवार शाम करीब 4 बजे दबिश दी। घर में दिव्यांश उसकी मां-पत्नी की गोद में खेलता मिला। राजू और बच्चे को पुलिस थाने ले आई। जांच में सामने आया है कि आरोपी के परिवार में बच्चे की जरूरत थी। इसके चलते उसने एसएमएस हॉस्पिटल से बच्चा दिव्यांश चुराया था।

ज्ञात रहे कि दरअसल, दौसा के कालूराम ने पोते आयुष को 24 जुलाई बांगड हॉस्पिटल को भर्ती करवाया था। उसकी रीढ़ की हड्डी में परेशानी है। इस दौरान मदद के बहाने आरोपी भी कालूराम के साथ हो गया। वो उन्हें खाना लाकर देता था, अस्पताल में दवाई लाना और अन्य काम में मदद करने लगा। बच्चे के दादा-दादी को कॉन्फिडेंस में लिया। बुधवार को खाना खाने के दौरान दादा ने 4 माह के दिव्यांश को आरोपी को दे दिया। इसी का फायदा उठा फरार हो गया।

28 साल तक शिक्षक ने नौकरी की, अब सरकार ने चयन ही अवैध माना

- याचिका में कहा कि विभाग में कई बार अभ्यावेदन देने के बाद भी उसे नियमित नहीं किया गया
- सेवानिवृत्ति के बाद उसे पेंशन परिलाभ नही दिये गये तो उसने हाईकोर्ट में याचिका पेश की
- अदालत ने बीकानेर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को हाजिर होने के आदेश दिये

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक की सेवानिवृत्ति के बाद उसके चयन को अवैध मानने पर बीकानेर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को तीस अगस्त को हाजिर होने के आदेश दिए हैं। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश रामस्वरूप शर्मा की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति 24 अप्रैल, 1990 को बीकानेर जिला परिषद में हुई थी। विभाग में कई बार अभ्यावेदन देने के बाद भी उसे नियमित नहीं किया गया। वहीं जून, 2018 को वह जयपुर के दूदू से सेवानिवृत्त हो गया। जब उसे पेंशन परिलाभ नहीं दिए गए तो उसने हाईकोर्ट में याचिका पेश की। इस पर सुनवाई करते हुए गत दिनों अदालत ने विभाग से जवाब मांगा था। इसके जवाब में विभाग ने कहा कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति पूर्ण रूप से अस्थाई तौर पर हुई थी। शिक्षक ने अप्रैल 199 को जिला स्थापना समिति को अध्यापक चयन के लिए आवेदन किया, लेकिन संवीक्षा रिपोर्ट पर प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं होने तक उसकी बीएसटीसी की डिग्री की जांच रिपोर्ट नहीं होने के कारण उसका चयन नहीं किया गया। वहीं बाद में उसका तबादला बीकानेर से जयपुर में हो गया। ऐसे में रिकॉर्ड के अभाव में आगे की कार्रवाई नहीं हो पाई। इसके अलावा जयपुर से इस संबंध में कोई प्रस्ताव नहीं आने के कारण जिला स्थापना समिति, बीकानेर द्वारा चयन की कार्रवाई नहीं की गई। जवाब में यह भी कहा गया कि याचिका दायर करने के बाद विभाग ने याचिकाकर्ता के डिप्लोमा की जांच के लिए कमेटी गठित की। कमेटी को संबंधित संस्था ने बताया कि प्रयागराज हाईकोर्ट के वर्ष 2004 के आदेश पर संस्था का रिकॉर्ड सीज होने के कारण याचिकाकर्ता की अंकतालिका का सत्यापन नहीं हो पाएगा। वहीं कमेटी को राष्ट्रीय पत्राचार संस्थान, कानपुर की रजिस्ट्रार गीता मिश्रा ने बताया कि संस्थान ने याचिकाकर्ता को उपाधि नहीं दी है।

ऐसे में जिला स्थापना समिति ने गत दो अगस्त को याचिकाकर्ता के प्राइमरी टीचर प्रमाण पत्र को वैध नहीं मानते हुए उनका स्थायीकरण नही करने का निर्णय लिया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को हाजिर होकर जवाब देने को कहा है।

पहले से काम कर रहे अधिकारी को राहत दी हाईकोर्ट ने

जयपुर, (का.सं.)। जल संसाधन विभाग में खंडीय लेखाकार के पद पर प्रयागराज से प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी ने पद ग्रहण कर लिया, लेकिन राज्य सरकार ने इस पद पर पहले से ही काम कर रहे अधिकारी का तबादला नहीं किया। मामला हाईकोर्ट में आने पर अदालत ने अब पहले से काम कर रहे अधिकारी को पद पर बने रहने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने निदेशक राजकोष और महालेखाकार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश यशवंत सिंह की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता भावना चौधरी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अधिशासी अभियंता जल संसाधन, सीकर में खंडीय लेखाकार के रिक्त पद का काम देख रहा है। कार्यालय महालेखाकार राजस्थान ने गत 2 फरवरी को एजी कार्यालय प्रयागराज के अधीन अलीगढ़ में पदस्थापित भरत सिंह को याचिकाकर्ता के पद पर प्रतिनियुक्ति दे दी। वहीं याचिकाकर्ता का दूसरी जगह तबादला भी नहीं किया। इस संबंध में जल संसाधन विभाग ने निदेशक लेखाकार को पत्र लिखकर याचिकाकर्ता के संबंध में मार्गदर्शन भी मांगा था। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता के पद पर अन्य अधिकारी की प्रतिनियुक्ति दर्शाती है कि महालेखाकार कार्यालय ने बिना दिमाग लगाए मशीनी अंदाज में आदेश पारित किया है, जो नियम विरूद्ध है।

कांग्रेस ने बनाई तीन सदस्यीय कमेटी

जयपुर, (का.प्र.)। जालौर जिले में आश्रम के रास्ते को लेकर हुए विवाद के बाद एक संत की आत्महत्या के मामले में प्रदेश कांग्रेस की ओर से कमेटी बनाई गई है जो इस पूरे मामले की जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को पेश करेगी। कमेटी में मंत्री रामलाल जाट, अर्जुनसिंह बामनिया और भूराराम सिरवी सचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी को शामिल किया गया है। कांग्रेस का कहना है कि जालौर जिले के भीनमाल से भाजपा विधायक पूराराम चौधरी की ओर से जालौर जिले के जसवंतपुरा क्षेत्र के बाल हनुमान आश्रम के संत रविनाथ को परेशान किया गया। इस कारण संत रविनाथ को आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा।

गुजरात की तीन विधानसभाओं में कांग्रेसजनों से चर्चा की भाया ने

जयपुर, (का.प्र.)। आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए राजस्थान कांग्रेस के कई मंत्री और विधायकों सहित अन्य नेताओं को अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारियां दी गई हैं। इन्हीं जिम्मेदारियों के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से खान एवं गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया को गुजरात राज्य की तीन विधानसभाओं का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। जिम्मेदारी मिलने के बाद मंत्री भाया ने गुजरात पहुंचकर तीन विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजनों की बैठक ली।

मंत्री भाया द्वारा गुजरात पहुंचकर उनके प्रभार वाली राजकोट शहर के तीन विधानसभा क्षेत्र राजकोट ईस्ट (68), राजकोट वेस्ट (69) एवं राजकोट साउथ (70) के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर राय-मशविरा किया गया। मंत्री प्रमोद जैन भाया के साथ बारां-अटरू विधायक पानाचंद मेघवाल भी गुजरात राज्य के राजकोट शहर की इन तीनों विधानसभाओं की कमाल संभाल रहे है।

मंत्री प्रमोद जैन भाया तथा विधायक पानाचंद मेघवाल गुजरात की राजकोट शहर विधानसभा की तीनों सीटों से आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिए चुनावी रणनीति बनाने में पूरी तरह से जुटे हुए हैं।

सराफ ने किया वृक्षारोपण

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 133 वसुंधरा कॉलोनी में वृक्षारोपण किया। सराफ ने स्थानीय लोगों के साथ शीशम, आम, गुलमोहर एवं अशोक के पेड़ लगाये। सराफ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति एक पेड़ जरूर लगाएं और एक साल तक उसकी देखभाल करें फिर वही पेड़ जीवन भर आपको ऑक्सीजन देगा। स्थानीय पार्षद रमेश सैनी ने बताया कि सभी लोगों ने संकल्प लिया कि पेड़ लगाएंगे और उसकी देखभाल जरूर करेंगे।

लम्पी स्किन बीमारी को जल्द नियंत्रित करने के लिए केन्द्र हर संभव मदद करेगा : रूपाला

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय पशुपालन मंत्री पुरूषोतम रूपाला ने कहा कि मवेशियों में फैल रही लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर गंभीर प्रयास कर रही है और जल्द ही इसे नियंत्रित करने में सफल होंगे। उन्होंने बीमारी से बचाव के लिए राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों को संतोषजनक बताते हुए केन्द्र से हर संभव मदद करने के लिए आश्वस्त किया। रूपाला शनिवार को यहां शासन सचिवालय में राज्य सरकार के मंत्रियों तथा विभागीय अधिकारियों के साथ प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज की स्थिति एवं रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा कर रहे थे।

केन्द्रीय पशुपालन मंत्री ने कहा कि इस वायरस जनित बीमारी को फैलने से रोकने के लिए पूरी क्षमता के साथ प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो पशु इससे सक्रंमित हो गए हैं, उन्हें स्वस्थ पशुओं से अलग रखें और स्वस्थ पशुओं का वेक्सीनेशन कराएं। इसके लिए डेडिकेटेड आइसोलेशन सेंटर भी बनाए जाएं, ताकि संक्रमण रोकने में मदद मिले और चिकित्सा एवं देखभाल करना आसान हो। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से बचने के लिए गोट पॉक्स वेक्सीन पूरी तरह कारगर है। अति प्रभावित क्षेत्र में 3 एम.एल. के डोज का उपयोग करें और कम प्रभावित एवं अप्रभावित क्षेत्र के पशुओं को 1 एम.एल. का डोज लगाएं। केन्द्रीय मंत्री रूपाला ने वेक्सीन एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के साथ प्राथमिकता से फंड देने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एस.डी.आर.एफ. का तुरंत प्रभाव से उपयोग करना शुरू करें और केन्द्र सरकार से जहां अनुमति की आवश्यकता हो तो शीघ्र प्रस्ताव बनाकर भिजवाएं। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी मांगों का गंभीरता से आंकलन कर मदद की जाएगी।

पुरुष फोर्स लॉन बॉल में भारत को मिला रजत

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय पुरुष फोर्स लॉन बॉल टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को फाइनल में नॉर्थर्न आइलैंड से हारने के बाद रजत से संतोष किया। नॉर्थर्न आइलैंड ने भारत को 15-8 से मात देकर स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय टीम मैच के ज्यादातर हिस्से में मुकाबले से बाहर नज़र आयी, जबकि नॉर्थर्न आइलैंड ने एक के बाद एक पॉइंट स्कोर किया।

यह बर्मिंघम 2022 के लॉन बॉल आयोजन में भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले भारतीय महिला फोर्स लॉन बोल टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया था। भारत अब तक राष्ट्रमंडल खेल 2022 में नौ स्वर्ण, 10 रजत और नौ कांस्य सहित 28 पदक जीत चुका है।

पूजा गहलोत ने महिला 50 किग्रा में जीता कांस्य

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय पहलवान पूजा गहलोत ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को स्कॉटलैंड की क्रिस्टेल लेमोफेक को हराकर कांस्य पदक हासिल किया। पूजा ने कांस्य पदक मैच में स्कॉटलैंड की पहलवान को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मात दी। क्रिस्टेल ने मैच की शुरुआत में पूजा को टेकडाउन कर दो अंक हासिल कर लिये थे, लेकिन पूजा ने बिना समय व्यर्थ किये 12 पॉइंट हासिल किये, जिसके बाद उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर विजेता घोषित कर दिया गया।

दिव्या और मोहित ने जीते कांस्य

बर्मिंघम, 6 अगस्त। दिव्या काकरान (महिला 68) और मोहित ग्रेवाल (पुरुष 125) ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीत लिए हैं। दिव्या काकरान ने शुक्रवार को टोंगा की टाइगर लिली लेमाली को मात देकर कांस्य पदक जीता। दिव्या ने कांस्य पदक मैच में टाइगर लिली को हराने के लिये सिर्फ 26 सेकंड का समय लिया। दिल्ली स्टेट चैंपियनशिप में 60 पदक जीत चुकी दिव्या ने मैच शुरू होते ही टाइगर लिली को अपनी गिरफ्त में कस लिया और उन्हें चित्त (विन बाई फॉल) करके मुकाबला जीता। मोहित ग्रेवाल ने 125 किग्रा के कांस्य पदक मैच में जमैका के आरोन जॉनसन को चित्त करके कांस्य पदक प्राप्त किया। भारत बर्मिंघम 2022 में अब तक 27 पदक जीत चुका है, जिसमें से छह पदक कुश्ती से आये हैं। साथ ही भारत नौ स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है।

इंग्लैंड पर रोमांचक जीत से भारत महिला क्रिकेट के फाइनल में

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड को शनिवार को रोमांचक सेमीफाइनल में चार रन से हराकर महिला क्रिकेट के फ़ाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने स्मृति मंधाना (61) और जेमीमाह रॉड्रिगेज़ (44) की पारियों की बदौलत पांच विकेट पर 164 रन बनाये और फिर इंग्लैंड की चुनौती को 20 ओवर में छह विकेट पर 160 रन पर रोक लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति ने भारत को मज़बूत शुरुआत दिलायी। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने पावरप्ले में 64 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट 76 रन पर शफाली वर्मा के रूप में गिरा जिन्होंने 17 गेंदों पर 15 रन बनाये। इसके फौरन बाद ही स्मृति भी 32 गेंदों पर 61 रन बनाकर पवेलियन लौट गयीं।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (20) के आउट होने के बाद पारी की कमान जेमीमाह और दीप्ति शर्मा ने संभाली। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिये 38 गेंदों पर 53 रन जोड़े। दीप्ति 20 गेंदों पर दो चौकों की बदौलत 22 रन बनाकर आउट हो गयीं, जबकि रॉड्रिगेज़ ने 31 गेंदों पर सात चौके लगाकर 44 रन की नाबाद पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से फ्रेया केंप ने दो विकेट लिये जबकि कैथरीन ब्रंट और कप्तान नैटली सिवर ने एक-एक विकेट लिया।

आख़िरी ओवर में इंग्लैंड को छह गेंदों में 14 रन बनाने थे। आख़िरी ओवर में भारतीय टीम सिर्फ़ तीन फ़ील्डर ही बाहर रख सकती थी क्योंकि धीमें ओवर रेट के कारण उन्हें पेनल्टी मिली थी। स्नेह राणा ने इस ओवर की तीसरी गेंद पर कैथरीन ब्रैंट को कप्तान हरमनप्रीत के हाथों कैच कराकर भारत की जीत का रास्ता खोल दिया। सोफ़ी एकलस्टन ने आखिरी गेंद पर छक्का मारा लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इस जीत से झूम उठी भारतीय टीम। एक सपना जो उन्होंने देखा था इस टूर्नामेंट से पहले, अब वो उसके काफ़ी क़रीब पहुंच चुकी हैं। आज भारतीय टीम ने जिस तरीक़े से शुरुआत की थी, उससे यह साफ़ पता चल गया था कि वह इस मुक़ाबले को किस तरह से आगे बढ़ाना चाहती हैं। हालांकि इंग्लैंड की टीम ने भी लगातार दबाव बनाए रखा लेकिन मैच के आख़िरी पलो में वे भारतीय गेंदबाज़ी के सामने कारगर प्रहार करने में विफल रहीं।

भारतीय टीम की तरफ़ से पहले बल्लेबाज़ी में स्मृति और जेमिमाह ने बढ़िया बल्लेबाजी की और जब गेंदबाज़ी की बारी आई तो सभी स्पिनरों ने कमाल की गेंदबाज़ी की। इंग्लैंड की तरफ से कप्तान नैटली सीवर ने सर्वाधिक 41 और ओपनर डैनी वायट ने 35 रन बनाये। भारत की तरफ स्नेह राणा के दो विकेटों के अलावा दीप्ति शर्मा ने 18 रन पर एक विकेट लिया।

सिंधु सेमीफाइनल में, आकर्षी बाहर

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को मलेशिया की गोह जिन वी को 2-1 से मात देकर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनायी, जबकि आकर्षी कश्यप स्कॉटलैंड की कर्स्टी गिलमोर से हारकर बाहर हो गयीं।

पुसरला वेंकट सिंधु ने गोह को तीन गेमों के मैच में 19-21, 21-14, 21-18 से मात दी। दोनों खिलाड़ी इससे पहले तीन बार आमने-सामने आ चुके थे और सिंधु ने तीनों बार जीत दर्ज की थी। बर्मिंघम 2022 के मिश्रित टीम फाइनल में भी दोनों ने एक दूसरे का सामना किया था, जहां सिंधु ने 22-20, 21-17 से सीधे गेमों में गोह को मात दी थी।

यहां हालांकि गोह ने अपनी भारतीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बेहतर मुकाबला पेश किया। उन्होंने पहला गेम 21-19 से जीता और अगले दो गेमों में भी सिंधु को जीत हासिल करने के लिये बहुत मेहनत करनी पड़ी। सिंधु ने कोर्ट के हर कोने में शॉट खेले और अंतत: गोह तीसरे गेम में बेहद थकी हुई और हतोत्साहित नज़र आयीं। नतीजतन सिंधु ने अगले दो गेम 21-14, 21-18 से जीतते हुए लगातार तीसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में कदम रखा।

दूसरी ओर, सिंधु की हमवतन आकर्षी कश्यप को अपने क्वार्टरफाइनल मैच में स्कॉटलैंड की कर्स्टी गिलमोर के हाथों 2-0 हार मिली। गिलमोर ने आकर्षी को 21-10, 21-7 के सीधे गेमों में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी।

निखत, नीतू, पंघाल फाइनल में, जैस्मीन हारी

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय मुक्केबाज निखत ज़रीन, अमित पंघल और नीतू घंघस ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को अपने-अपने वर्ग के मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी, जबकि जैस्मीन लंबोरिया को हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन निखत ने महिला 50 किग्रा लाइट फ्लाइवेट सेमीफाइनल में इंग्लैंड की सवानाह अल्फिया स्टब्ली को 5-0 से रौंदा। पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले रही निखत ने क्वार्टरफाइनल में वेल्स की हेलेना जोन्स को भी 5-0 से मात दी थी। पंघल ने 51 किग्रा फ्लाइवेट सेमीफाइनल मैच में ज़ाम्बिया के पैट्रिक चिनयेंबा को सर्वसम्मत निर्णय से मात दी। पंघल लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में पहुंचे हैं।

साबले ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में जीता रजत

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारत के अविनाश साबले ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में रजत पदक अपने नाम किया। साबले ने 8:11.20 मिनट के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ दौड़ को दूसरे स्थान पर पूरा किया, जबकि केन्या के अब्राहम किबिवोट 8:11.20 मिनट में दौड़ को पूरा करके पहले स्थान पर रहे। दौड़ के शुरुआती पलों में किबिवोट और उनके हमवतन आमोस सेरेम पहले एवं दूसरे स्थान पर चल रहे थे, लेकिन आखिरी क्षणों में साबले ने अपनी रफ्तार बढ़ाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया, हालांकि वह 0.05 सेकंड से स्वर्ण पदक से चूक गये। सेरेम ने 8:16.83 मिनट के साथ कांस्य पदक से संतोष किया।

कोटपूतली में प्रशासन ने अवैध रूप से बनी 68 दुकानें व कई इमारतों को ध्वस्त किया।

कोटपूतली में प्रशासन ने अवैध निर्माण तोड़े

मास्टर प्लान के तहत हुई इस कार्यवाही के पहले चरण में 68 दुकानें व अन्य इमारतें तोड़ी गईं

- नगर परिषद प्रशासन ने भारी पुलिस जाप्ते के साथ सुबह 5 बजे से संरचनाएं तोड़ने की कार्यवाही की शुरू।
- कार्यवाही का विरोध करने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता मुकेश गोयल सहित आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया।
- आधे शहर में बिजली पानी व इंटरनैट सेवायें ठप्प हुईं।

कोटपूतली, 6 अगस्त (निसं)। नगर परिषद प्रशासन ने कोटपूतली में मास्टर प्लान 2011 के अनुरूप कस्बे के मुख्य चौराहे से लेकर नगरपालिका तिराहा तक 80 फीट व पूर्व सिनेमा से लेकर पूतली कट तक 60 फीट सड़कों को चौड़ा करने की कार्रवाई की। इसके लिए प्रशासन सुबह करीब 5 बजे एलएनटी, जेसीबी व पोपलैण्ड मशीनों व भारी मात्रा में स्टाफ कर्मियों सहित पुलिस का अमला निर्माण हटाने के लिए पहुंचा।

शनिवार को एलबीएस कॉलेज के छात्रावास की ओर 22 दुकानों समेत पुरानी नगर पालिका तिराहे पर अग्रसेन सर्किल के पास शेखावत भवन, भरगड़ प्लाजा, कौशिक मार्केट, पुस्तक मार्केट में करीब 68 दुकानें हटाई गई। प्रशासन द्वारा गठित चारों टीमों ने एक साथ कार्यवाही कर सुबह करीब 10 बजे तक अधिकांश संरचनाओं को ध्वस्थ कर दिया था। इस दौरान कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों के व्यापारी सामान तक नहीं उठा पाये थे कि प्रशासन की अतिक्रमण ध्वस्त मशीनें इमारतों को जमीरोंध करती नज़र आईं। कार्यवाही के दौरान पहले फेज में कुल 68 इमारतों को ध्वस्थ किया गया।

इसी बीच महालक्ष्मी मिष्ठान भण्डार के पास अमृत कैलेक्शन शोरूम पर कार्रवाई चल रही थी, उसी दौरान परिषद का एक कर्मचारी अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। जैसे ही कर्मचारी के बेहोश होने की भनक प्रशासन को लगी तो अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई और आनन-फानन में उक्त कर्मचारी को एम्बुलेंस की सहायता से राजकीय बीडीएम अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरान कार्यवाही यथावत जारी रही। देर रात तक प्रशासन की जेसीबी, हाईवा व ड्रिल मशीनें चलती रही। आनन-फानन में की गई कार्यवाही से जहां बिजली विभाग को भी भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है, वहीं दिनभर लोग बिजली, पानी व इन्टरनेट सेवाओं को तरसते रहे। इधर प्रशासन की कथित दमनात्मक कार्यवाही का विरोध करने पर वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश गोयल, एडवोकेट बजरंग लाल शर्मा, एडवोकेट मनोज नारायण शर्मा, भाजपा नेता सुभाष घोघड़, भाजपा नेता प्रवीण बंसल व संघर्ष समिति के पंडित किशोरलाल नेताजी को हिरास्त में ले लिया गया। इस दौरान विरोध करने आये लोगों से प्रशासनिक अधिकारियों की तीखी नोंक-झोंख भी हुई।

लोगों का आरोप था कि प्रशासन राजनैतिक दबाव में आकर व्यापारियों के खिलाफ दमनात्मक कार्यवाही कर रहा है, जो कोटपूतली की जनता की भावनाओं पर कुठाराघात है। प्रशासनिक कार्यवाही को आमजन दो नजरिए से देख रहा है। एक तो विकास के आईने से और दूसरा विकास की जगह विनाश के आईने से। कार्यवाही के दौरान एडीएम जगदीश आर्य, एसडीएम ऋषभ मण्डल, मौका मजिस्ट्रेट तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा, एएसपी विद्या प्रकाश, यातायात एएसपी सुमित गुप्ता, डीएसपी डॉ. संध्या यादव, शाहपुरा डीएसपी सुरेन्द्र कृष्णियां, एसएचओ सवाई सिंह सहित पनियाला, सरूण्ड, प्रागपुरा, चंदवाजी, शाहपुरा, भाबरू समेत 8 थानों का पुलिस जाप्ता एवं एसटीएफ जवानों की पूरी कम्पनी को मिलाकर करीब 500 जवान सहित बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहे। नगर परिषद आयुक्त फतेह सिंह मीणा के नेतृत्व में निर्माण हटाने की समस्त कार्यवाही की गई।

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में शनिवार को करीब 68 निर्माण हटाये गये है। साथ ही स्टे वाले निर्माणों को फिलहाल छोड़ दिया गया है। अगली कार्यवाही द्वितीय चरण में स्वतंत्रता दिवस के बाद की जायेगी, जिसके लिए अलग से नोटिस भी जारी किये जायेगें। जबकि तृतीय चरण में नीलाम की गई सम्पत्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। एडीएम जगदीश आर्य ने आमजन व व्यापारियों को प्रशासन का सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया है।

गौरतलब है कि नगर परिषद द्वारा मुख्य चौराहे से अग्रसेन सर्किल व आसपास के सम्पत्ति मालिकों को शुक्रवार को ही 24 घण्टों में निर्माण हटाने के निर्देश दिये गये थे। आयुक्त फतेह सिंह मीणा ने यह भी बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट के निर्देशानुसार ही समस्त कार्यवाही पूर्णतया: शांतिपूर्ण तरीके से की गई है, जिसमें स्थानीय व्यापारियों का भी प्रशासन को भरपूर सहयोग मिला है। व्यापारियों ने स्वयं ही अपनी दुकानों को पहले ही खाली कर लिया था। परिषद द्वारा दोनों मुख्य मार्गो को मास्टर प्लान के तहत क्रमश: 80 व 60 फिट चौड़ा किया जा रहा है। आपको बता दें कि विगत दिसम्बर 2021 में भी उक्त कवायद के चलते आम नोटिस व व्यक्तिगत नोटिस के माध्यम से दोनों मार्गो को चौड़ा करने की कार्यवाही शुरू की गई थी। इसके विरोध में एक ओर जहाँ धरना प्रदर्शन शुरू हो गया था। वहीं सम्पत्ति मालिकों ने उक्त कार्यवाही को विधि विरूद्ध बताते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में याचिकायें दायर की थी, जिस पर न्यायालय ने नगर परिषद को व्यक्तिगत सुनवाई करते हुए 30 दिवस में विस्तृत एवं सकारण आदेश पारित करने व तब तक याचीगण के विरूद्ध कोई कार्यवाही ना करने के निर्देश दिये गये थे। साथ ही नगर परिषद को मौका एवं दस्तावेजों की जाँच कर भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही करते हुए प्रभावितों की मुआवजा राशि तय करने के लिए भी निर्देशित किया गया था।

बीठनोक में 250 मेगावाट का लिग्नाइट पावर प्लांट लगाने पर केन्द्र व राज्य सहमत

राज्य की मुख्य सचिव ऊषा शर्मा और केन्द्र के कोयला मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एम. नागाराजू के बीच जयपुर में इन परियोजनाओं पर चर्चा हुई

- इसके अतिरिक्त बीठनोक में ही 300 मेगावाट का एक और प्लांट व बरसिंगसर में 250 मेगावाट का पावर प्लांट लगाने पर भी सरकार विचार कर रही है।

बीकानेर, 6 अगस्त (कासं)। बीकानेर जिले के बीठनोक गांव में 250 मेगावाट का लिग्नाइट पावर प्लांट लगाने पर केन्द्र और राज्य सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं।एनएलसी इंडिया लिमिटेड इस प्रोजेक्ट के लिए डीपीआर बनाने में जुट गया है। जल्द एमओयू और इंस्टालेशन की प्रक्रिया शुरू होने का अनुमान है।

राज्य और केन्द्र के उच्चाधिकारियों के बीच हुई मीटिंग में इस प्रोजेक्ट पर सैद्धांतिक सहमति के साथ ही बीठनोक में ही 300 मेगावाट के सोलर प्लांट और बीकानेर के बरसिंगसर में 250 मेगावाट के लिग्नाइट पावर प्लांट के एक्सटेंशन पर भी बातचीत हुई है। ऐसे में ये दोनों प्लांट भी मंजूर हो जाते हैं तो जिले में 800 मेगावाट बिजली उत्पादन का रास्ता खुलेगा।

राज्य की मुख्य सचिव ऊषा शर्मा और केन्द्र के कोयला मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एम. नागाराजू के बीच जयपुर में इन परियोजनाओं पर चर्चा हुई है। लगभग 12 वर्ष पूर्व हुई यह प्रक्रिया कई कारणों से आगे नहीं बढ़ पाई। मीटिंग के बाद चीफ सैक्रेट्री ने बीठनोक में 250 मेगावाट प्लांट के लिए नए सिरे से डीपीआर बनाने का निर्देश दिया है। नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन के प्रोजेक्ट हैड जगदीश मजूमदार ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हम नए सिरे से पूरी योजना बनाकर सरकार को दे रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी का कहना है कि बीठनोक में लिग्नाइट पावर प्लांट का एमओयू हो चुका था। बिजली की लागत लगभग पांच रुपए यूनिट आ रही थी।

पूर्ववर्ती सरकार ने रेट ज्यादा बताकर एमओयू तोड़ दिया। एक बार फिर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से यह प्लांट शुरू करवाने का आग्रह किया था। इस पर अब केन्द्र-राज्य दोनों मिलकर सकारात्मक तरीके से आगे बढ़े हैं। उम्मीद है जल्द उत्पादन शुरू होगा।

जगदीप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्रमश: ओम बिड़ला और जगदीप धनखड़। दिलचस्प बात ये है कि धनखड़ को कृष्णकांत, भैंरोसिंह शेखावत, हामिद अंसारी और वेंकैया नायडू से भी अधिक वोट मिले, जो भी एक रिकॉर्ड है। ऐसा लोकसभा में भाजपा के भारी बहुमत के कारण हुआ।

आर.सी.पी. सिंह का नीतीश की पार्टी से इस्तीफा

नई दिल्ली, 6 अगस्त। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राइड हैंड माने जाने वाले जे.डी.यू. के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.सी.पी. सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर जे.डी.यू. ने आर.सी.पी. सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। आर.सी.पी. सिंह पर साल 2013 से 2022 के बीच अकूत संपत्ति बनाने का आरोप है। जे.डी.यू. ने आर.सी.पी. सिंह को जारी कारण बताओ नोटिस में कहा गया है कि 9 सालों में आपको परिवार के नाम पर 58 प्लॉट की रजिस्ट्री हुई है। इस तरह कुल 800 कट्ठा जमीन की खरीद हुई है।

भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट ने बर्मिंघम कॉमनवैल्थ गेम्स में महिला 53 कि. ग्रा. वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। कॉमनवैल्थ गेम्स में यह भारत का ग्यारहवां गोल्ड है।

नीतीश कुमार व के.सी.आर. ने प्र.मंत्री मोदी की बैठक में शामिल होने से इन्कार किया

- प्र.मंत्री मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक के संबंध में मु.मंत्री के.सी.आर ने कहा, भेदभाव के कारण बैठक से हमारे राज्य को कोई फायदा होने वाला नहीं है।
- नीति आयोग की 7 अगस्त को होने वाली बैठक में फसल विविधीकरण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने वाली है।

नई दिल्ली, 6 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 7 अगस्त को होने वाली नीति आयोग की बैठक से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बाद अब तेलंगाना के सी.एम. के चंद्रशेखर राव ने भी किनारा कर लिया है। बैठक में हिस्सा नहीं लेने के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री राव ने कहा कि उन्हें नीति आयोग की बैठक से कोई फायदा नहीं दिख रहा है। रविवार को होने वाली नीति आयोग की बैठक में फसल विविधीकरण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने वाली है।

के.चंद्रशेखर राव ने कहा, मैं विरोध के रूप में कल दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की 70वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक का हिस्सा नहीं बनूंगा। इसके साथ-साथ राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भी लिखा है, जिसमें उन्होंने राज्यों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए उनकी जरूरतों और शर्तों के आधार पर योजनाओं को डिजाइन और उसमें बदलाव किए जाने की व्यवस्था नहीं दिए जाने को लेकर केंद्र के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की है।

के.सी.आर. ने पी.एम. मोदी के लिखे पत्र में कहा है, भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में तभी विकसित हो सकता है, जब राज्यें विकसित हों। उन्होंने कहा कि मजबूत और आर्थिक रूप से जीवंत राज्य ही भारत को एक मजबूत देश बना सकते हैं।

मैं भारत को एक मजबूत और विकसित देश बनाने के हमारे सामूहिक प्रयास में राज्यों के साथ भेदभाव करने और उन्हें समान भागीदार के रूप में नहीं मानने के केंद्र सरकार के वर्तमान रुख के खिलाफ इस बैठक से दूर रहूंगा।

धमोरा गांव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वॉलीबाल से जुड़ा हुआ है। कप्तान दुष्यंत के अलावा टीम में अमन कुमार, जोशनुर ढींडसा, संदीप, अजय कुमार, समीर चौधरी, तनिश चौधरी, हर्षित गिरी, जिबिन जॉश, सचिन डागरी, मन्नत चौधरी, कार्तिकेयन के (लिब्रो), अजीत शेखों, सूर्यप्रकाश बंजारा (लिब्रो) को जगह दी गई है।

टीम मैनेजर कुलदीप राज मगोत्रा, चीफ कोच जेई श्रीधरन, असिस्टेंट कोच राजेश कुमार, प्रवीन शर्मा, अंतराष्ट्रीय निर्णायक शेख एजाज सिकंदर होंगे।

झुंझुनूं जिले में जाखड़ों की ढाणी को वॉलीबाल खिलाड़ियों की खान कहा जाता है। जहाँ से कई अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी निकले हैं और 20 से 25 राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं।

शुरू से लेकर वर्तमान तक 50 के लगभग राज्य स्तर के खिलाड़ी भी इसी ढाणी के हैं। इनमें से अधिकांश तो सरकारी सेवाओं में कार्यरत हैं।

प्र.मंत्री व गृह मंत्री के स्पष्ट निर्देश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा फिलहाल वरूण गांधी की उग्र आलोचनाओं को मित्रवत लेने का भाव प्रकट कर रही है। अभी हाल ही में, उन्होंने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर लगाये जा रहे उन आरोपों को लेकर निशाना साधा था, जो सरकारी कर्मचारियों की भर्ती के अभियान के दौरान, प्रश्न पत्र लीक होने के बारे में लगाये जा रहे हैं।

सरकार द्वारा उम्रदराज लोगों को रेल किराये में दी जा रही छूट को समाप्त कर देने, पैकेज्ड खाद्य पदार्थो पर जी.एस.टी. लगाये जाने तथा सशस्त्र सेनाओं में भर्ती की नई स्कीम "अग्निपथ" शुरू करने के लिये भी वरूण गांधी ने केन्द्र सरकार की कड़ी आलोचना की थी।

सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से पार्टी को विशेष निर्देश दिये गये हैं कि वरूण गांधी की अठखेलियों अनदेखी की जानी चाहिए तथा तब तक पार्टी को प्रतिक्रिया देनी चाहिए जब तक कि वे सीमा पार न कर जाएं।

लेकिन अगर वरूण गांधी को पार्टी की कीमत पर मीडिया में जगह मिलने दी जाती है तो यह पार्टी और सरकार दोनों में से किसी के हित में नहीं होगा।

जहाँ वरूण गांधी यह चाहते हैं कि पार्टी उन्हें निष्कासित करे तथा उसके बाद वे अपनी सीट को बरकरार रखें, वहीं भाजपा यह सोचकर सुरक्षित खेल खेल रही है क्योंकि वरूण के खिलाफ कोई कदम उठाये जाने से बहुत बड़ी बहस छिड़ जायेगी, क्योंकि वरूण गांधी की माँ मेनका गांधी 1990 के दशक में उस समय भाजपा में आई थीं, जब भगवा दल एल.के.अडवाणी तथा अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में गैर-आर.एस.एस. नेताओं को आमन्त्रित कर रहा था ताकि जनता में इसका प्रसार अपेक्षाकृत अधिक व्यापक स्तर पर हो सके। 65 वर्षीय मेनका गांधी जनता दल टिकट पर पीलीभीत से जीतकर विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार में राज्य मंत्री बन गई थीं। वे वाजपेयी सरकार तथा मोदी सरकार में भी 2014 से 2019 तक मन्त्री रही, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों में मिली जीत के बाद, वे उपेक्षित कर गईं। वे 2019 लोकसभा चुनाव सुल्तानपुर से जीती थीं।

जहाँ मेनका गांधी ने लोकसभा में अपेक्षाकृत कम मुखर रहना उचित समझा तथा वे चर्चा में यदाकदा ही भाग लेती थीं, वहीं वरूण गांधी लोकसभा में भाजपा तथा नेतृत्व पर तंज करने वाले तथा उन्हें असुविधाजनक लगने वाले प्रश्न पूछना पंसद करते हैं।

प्रियंका गोस्वामी ने कॉमनवैल्थ गेम्स में शनिवार को महिला 10 किमी. रेस वॉक (स्टीपलचेज़) में ऐतिहासिक सिल्वर मैंडल हासिल किया। प्रियंका रेसवॉकिंग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं। वे इस खेल में कॉमनवैल्थ मैंडल जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी भी हैं। इससे पहले, हरमिंदर सिंह ने दिल्ली 2010 कॉमनवैल्थ गेम्स की 20 किमी. रेसवॉकिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था। प्रियंका गोस्वामी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 10,000 मीटर की दूरी को 43:38 मिनटों में पूरा किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया की जेमीमा मॉनटाग ने 42:34. 00 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रियंका ने सीटी बजते ही ट्रैक पर बढ़त हासिल कर ली थी और 4,000 मीटर के बाद वो पहले स्थान पर थीं। इसके कुछ देर बाद ही वो जेमीमा और कीनिया की एमिली वामुस्यी एन्जी से पिछड़ गयीं। जब प्रतियोगिता में सिर्फ दो किमी की दूरी बची थी, तब प्रियंका ने शानदार वापसी करते हुए कीनिया की प्रतिद्वंदी को पछाड़ा और सिल्वर मैंडल हासिल किया।

पूर्व मु.मंत्री पलानीस्वामी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निकालने के लिए पलानिस्वामी ने जिस चाल का इस्तेमाल किया वह यह कि दो नेताओं द्वारा पार्टी का संचालन करने से पार्टी कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति रहती है और पार्टी के उद्देश्य और कार्यवाही में एकजुटता की कमी रहती है। पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी में चल रहे इस गुटीय संघर्ष के दो मतलब निकलते हैं- पहला तो इसने डी.एम.के. को अपना शासन अपेक्षाकृत सुचारू रूप से चलाना सुनिश्चित किया है और दूसरा, इससे विपक्ष की जगह भी खाली हो गई और भाजपा को इसे भरने का मौका मिल गया।

और तमिलनाडू में ऐसा ही कुछ धीमे-धीमे किन्तु सुनिश्चित रूप से हो रहा है। यानी भाजपा ने विपक्ष के इस रिक्त स्थान को भरना शुरू कर दिया है। उसने भारतीय पुलिस सेवा के कर्नाटक कैडर के एक पूर्व अधिकारी के. अन्नामलाई को तमिलनाडू में अपना प्रदेश अध्यक्ष बनाया है जो कि बहुत सजग और आक्रामक हैं। अन्नामलाई राज्य के एक मात्र ऐसे विपक्षी नेता हैं जो आम जनता के मुद्दे उठाकर सरकार की कलई खोलते हैं। सरकार और शासन पर उनके निरन्तर फोकस ने स्टालिन सरकार को एक तरह से बैकफुट पर ला दिया है।

केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी की स्थानीय ईकाई का प्रमुख होना, उन्हें स्थानीय राजनीति में कुछ हद तक संबल व तवज्जो प्रदान करता है, खासतौर पर जब बात छोटी पार्टियों से सौदेबाजी की हो। चूंकि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के साउथ प्लान में तमिलनाडू को महत्वपूर्ण माना गया है, इसलिए पार्टी को देखना है कि इस राज्य में राजनीति कैसे होती है, बावजूद इसके कि भाजपा यह जानती है कि उसने तो एक ऐसे राज्य में शुरूआत भर की है जहां उसे बाहरी माना जाता है और यहां उसे एक लम्बा रास्ता तय करना है।

एक बाहरी पार्टी की धारणा को समाप्त करना भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और उसे वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में डी.एम.के. का मुकाबला करने के लिए डी.एम.डी.के., पी.एम.के. व अन्य छोटी पार्टियों के साथ एक सशक्त गठबंधन बनाने की कार्ययोजना तैयार करनी है। पिछले आम चुनावों में डी.एम.के. राज्य की कुल 39 लोकसभा सीटों में से 38 पर जीत हासिल की थी और कांग्रेस के बाद दूसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बन गई थी।

केन्द्रीय सरकार व तमिलनाडू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे भयभीत हुए बिना, तमिलनाडु के तेज तर्रार वित्त मंत्री पी. त्यागराजन ने पलटवार करते हुये कहा कि राज्य के प्रतिनिधि ने बहुत सी वस्तुओं पर जी.एस.टी. लगाने का मौखिक एवं लिखित विरोध किया था तथा उन्होंने स्वयं ने राज्य की आपत्तियों को भी लिख कर दिया था। पी.टी.आर., जिस नाम से वे जाने जाते हैं, के पास उसी समय से जी.एस.टी. का पूरा ब्यौरा है, जब पिछले वर्ष डी.एम.के. जोर-शोर से सत्ता में आई थी। उनका कहना है कि जी.एस.टी. काउंसिल की रूपरेखा में ही खामियाँ हैं तथा इसकी निर्णय प्रक्रिया में राज्यों को अपने अलग मत व्यक्त करने की कोई गुजांइश ही नहीं बची है।

जी.एस.टी. काउंसिल की वर्तमान मतदान पद्धति, जिसमें केन्द्र के 33 प्रतिशत वोट हैं, केवल केन्द्र का ही पक्ष लेती है। उन्होंने कहा कि अगर परिषद का कोई सदस्य कोई प्रस्ताव लाता है तथा केन्द्र सरकार उस पर नकारात्मक रुख अपना लेती है, तो वह प्रस्ताव वहीं समाप्त हो जाता है। जब हम केन्द्र से अनुरोध करते हैं कि पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में जनता को राहत दो, तो जी.एस.टी.-व्यवस्था लागू होने के बाद, उस अनुरोध का यही हश्र होता है। राज्यों के पास टैक्स बढ़ाने का कोई रास्ता ही नहीं बचा है। ऐसा करने का अधिकार केवल केन्द्र के पास ही है। उन्होंने कहा कि आज केन्द्र जो एक्साइज वसूलता है, वह 2014 की अपेक्षा बहुत ज्यादा है। त्यागराजन ने एक ट्वीट में पूछा, "इसके अलावा, पेट्रोल एवं डीज़ल पर टैक्स कम किसको करना चाहिए? क्या यह काम केन्द्र सरकार को नहीं करना चाहिये, जिसने पिछले 7 वर्षों में ईंधन पर अनेक बार टैक्स बढ़ाया है? या यह काम डी.एम.के. को करना चाहिये, जिसने अब तक के इतिहास में एक बार भी ईंधन पर टैक्स नहीं बढ़ाया?

उनके पास इस बात का युक्तियुक्त कारण है कि केन्द्र प्राय: तमिलनाडु पर हमले क्यों करता है। उनके अनुसार, इसका कारण यह है कि आर्थिक मोर्चे पर तमिलनाडु का प्रदर्शन केन्द्र सरकार की अपेक्षा बेहतर है।

पी.टी.आर. ने कहा, "इस साल केन्द्रीय बजट में राजकोषीय घाटा 7 प्रतिशत है, हमारा करीब 3.5 प्रतिशत था। आज देश में महँगाई 8 प्रतिशत के आसपास है, हमारी 5 प्रतिशत के आसपास ही है। हमारी सरकार काम करने वाली सरकार है, हमारी सरकार करुणा तथा सामाजिक न्याय दर्शाती है, किन्तु उसकी बावजूद, बेहतर परिणाम देती है। और इससे दिल्ली में बैठी उपनिवेशवादी ताकतें चिढ़ती हैं। पी.टी.आर. ने अफसोस व्यक्त करते हुये कहा कि आज जब डी.एम.के. के उन्हीं सिद्धान्तों को अपना रही है, जो राज्यों के अधिकारों का समर्थन करने के लिये मोदी जी ने उस समय अपनाये थे, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो हमारे इस काम को सीधे टकराव के रूप में देखा जा रहा है।

रिलायंस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुरूमूर्ति ने जनवरी 2002 में दायर की थी। याचिका में शिकायत की गई थी कि 1994 में 12 करोड़ इक्विटी शेयरों के आवंटन में चालबाजी हुई थी। ये शेयर कथित रूप से आर.आई.एल. के प्रमोटरों, आर.आई.एल. द्वारा वित्त पोषित ग्रुपों एवं कम्पनियों को आवंटित कर दिये गये थे। मुख्य न्यायाधीश एन.वी.रमना, न्यायमूर्ति जे. के. महेश्वरी तथा हिमा कोहली की बैंच ने कहा कि सेबी को इस प्रकार की सूचना के कुछ हिस्सों को भी उजागर करने का कोई विशेषाधिकार नहीं है। बैंच ने कहा कि कानून ऐसे चयनित बिन्दुओं के प्रकटीकरण का कभी भी समर्थन नहीं कर सकता, क्योंकि ये साफ तौर पर "चैरी पिंकिंग" के बराबर हैं। बैंच ने सेबी को निर्देश दिये कि आर.आई.एल. को न्यायमूर्ति श्रीकृष्ण की पहली तथा दूसरी राय के साथ ही, चार्टर्ड अकाउन्टेंट वाई. एच. मालेगाम, जो सेवानिवृत जज के आदेश से नियुक्त किये गये थे, की पूरी रिपोर्ट उपलब्ध कराये।

पानी निकासी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया है, ताकि नए सिरे से पाईप लाईन डालने का काम जल्द से जल्द करवाया जा सके। आयुक्त ने बताया कि गेनाणी के पास से गुजरने वाली हाईवे की सड़क के नीचे लीकेज हो गया, जिसको ठीक करने के लिए सड़क तोड़कर लीकेज निकालने का काम नगरपरिषद की टीमों द्वारा किया गया। आयुक्त ने बताया कि नया बास में ऐसे अनेक घर हैं, जिनके नीचे से पाईप लाईन गुजरती है। दरअसल 45 साल पहले जब ये पाईप लाईन गेनाणी से पानी निकासी के लिए डाली गई थी, तब इस क्षेत्र में कोई भी मकान नहीं थे। धीरे-धीरे लोग पाईप लाईन को भूल गए और बस्ती में अनेक मकान पाईप लाईन के ऊपर बन गए। नया बास स्थित घनश्याम स्वामी के घर में नींव से पानी की धार निकलने लगी और जब इस बात की शिकायत नगरपरिषद को की गई, तो पता चला कि मकान के नीचे गेनाणी से निकलने वाली पाईप लाईन है। सभापति प्रतिनिधि मोहम्मद ईदरीश गौरी, उप सभापति अमित मारोठिया ने बताया कि घरों के नीचे से पाईप लाईन के लीकेज निकालना संभव नहीं है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908